www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 175 || लखनऊ
शनिवार
26 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:56
सूर्यास्तः 06:00
अधिकतमः 24°00
न्यूनतमः 22°00

पेज 07

विशेष समाचार स्वस्थ पर्यावरण तो स्वस्थ मानव... >> पेज 04 | बैंक मैनेजर ने चलती कार में... >> पेज 06 | बृजभूषण सिंह के खिलाफ

अमित शाह ने की योगी की तारीफ ■ सारे माफिया साफ हो गए ■ एक गाड़ी में बैठकर घूमे ■ मंच पर काफी देर बात की

सपा की गुंडागर्दी नेस्तनाबूद : शाह

बेहतर कानून-व्यवस्था

तैयारी

■ अमित शाह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और यूपी सरकार के कामकाज की तारीफ की। UP International Trade Show 2026 में अमित शाह ने कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था से उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए माहौल तैयार हुआ है। इस दौरान जब अमित शाह ने योगी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया तो CM योगी मुस्कुराते नजर आए।

■ योगी ने शाह का ट्रेड शो में स्वागत कर राधा-कृष्ण की मूर्ति भेंट की।

तमसा संकेत, एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने सीएम योगी की तारीफ की। कहा- योगी सरकार ने सपा-बसपा की गुंडागर्दी को नेस्तनाबूद कर दिया। सारे माफिया समाप्त हो गए। अब यूपी में बनी ब्रह्मोस मिसाइलें पाकिस्तान की नींद उड़ा देती हैं। शाह ने कहा- सपा-बसपा के शासन में अपराध की इंडस्ट्री चलती थी। >> (शेष पेज 06 पर)

शाह बोले- पहले यूपी में निवेशक आने से डरते थे

अमित शाह ने कहा- साल 2013 में यूपी सरकार ने एक इन्वेस्टर्स कॉन्फ्रेंस आयोजित की थी। उस समय यह कॉन्फ्रेंस दिल्ली में हुई थी। उस समय कानून-व्यवस्था को लेकर ऐसी स्थिति थी कि निवेशक यूपी आने से डरते थे। आज यूपी भयमुक्त है।

>> (शेष पेज 06 पर)

पहले यूपी में राज था माफियाओं का

शाह ने कहा- एक जमाने में यूपी में माफियाओं का शासन चलता था। 2017 में भाजपा सरकार बनी और योगी सीएम बने। इसके बाद माफियाओं को समाप्त कर दिया गया। इसी कारण यहां निवेश का माहौल बना है।

निवेश की पहली शर्त- अच्छी कानून-व्यवस्था। दूसरी शर्त- अच्छी औद्योगिक नीति। तीसरी शर्त- सक्रिय सरकार। चौथी शर्त- मदद करने का उत्साह। आज ये चारों चीजें उत्तर प्रदेश में मौजूद हैं। इसलिए यहां निवेश का माहौल बना है।

युवा मानव संसाधन, उर्वरा भूमि और पर्याप्त जल संसाधनों वाला प्रदेशः सीएम योगी

उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा राज्य होने के साथ ही बड़ा बाजार

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश इंटर-नेशनल ट्रेड शो के शुभारंभ के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पार्टनर कंट्रीज के प्रतिनिधियों के साथ राउंड टेबल मीटिंग कर उत्तर प्रदेश में निवेश और कारोबार की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। पार्टनर कंट्रीज सिंगापुर, वियतनाम, रूस, बेलारूस, जापान और ऑस्ट्रिया के प्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री ने प्रदेश की औद्योगिक क्षमता, निवेश के अवसर और विभिन्न सेक्टरों में उपलब्ध संभावनाओं को साझा

किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ ही बड़ा बाजार, युवा मानव संसाधन, उर्वरा भूमि और पर्याप्त जल संसाधनों वाला प्रदेश है। ऐसे में पार्टनर देशों की कंपनियों के लिए यहां निवेश और कारोबार विस्तार की व्यापक संभावनाएं हैं। रूसी प्रतिनिधिमंडल के साथ राउंड टेबल मीटिंग में मुख्यमंत्री ने रूसी संघ के बिजनेस कमिश्नर को उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में पार्टनर कंट्री

- रूस-भारत संवाद में व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग की नई संभावनाओं पर मंथन
- औद्योगिक तकनीक, गैस, चिकित्सा उपकरण और व्यावसायिक सेवाओं में सहयोग पर जोर

के रूप में शामिल होने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि रूस की ओर से जिन मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया गया है, उत्तर प्रदेश सरकार उन सुझावों से सहमत है और दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में काम किया जा सकता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

मोदी की जेन-जी के साथ भजन क्लबिंग

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार शाम दिल्ली के दीनदयाल उपाध्याय पार्क में 'भजन क्लबिंग' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती पर किया गया था। इस दौरान पीएम मोदी गुजराती, हिंदी भजनों पर खंजरी बजाते और गुनगुनाते नजर आए।

कांग्रेस प्रत्याशी को मिली जमानत रद्द

नई दिल्ली। कांग्रेस को पश्चिम की नंदीग्राम विधानसभा सीट के होने वाले उपचुनाव से पहले बड़ा झटका लगा है। पार्टी के उम्मीदवार मिलन प्रधान को गुरुवार को सिंगल बेंच से मिली राहत को कलकत्ता हा कोर्ट की डिविजन बेंच ने शुक्रवार को रद्द कर दिया है। यह मामला मिलन के 2007 के क्रिमिनल केस से जुड़ा हुआ है। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रवींद्र घुगे की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि इस तरह के क्रिमिनल लॉ में किसी भी आरोपी को इस तरह से अंतरिम सुरक्षा का प्रावधान नहीं दिया गया है। अगर आरोपी को गिरफ्तारी की आशंका है तो वह अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर कर सकता है।

मोदी और महिला की फोटो हटाएं : कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मेटा को निर्देश दिया है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक महिला की फेक फोटो और उससे जुड़े कंटेंट को तुरंत हटाए। शुक्रवार को जिस याचिका पर सुनवाई की गई, वह याचिका उसी महिला ने दायर की थी, जिसकी तस्वीर से छेड़छाड़ हुई थी।

नशे में मिला एअर इंडिया का पायलट, स्विटरलैंड में उतारा

ज्यूरिख से दिल्ली की फ्लाइट उड़ाने वाला था

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । एअर इंडिया ने ज्यूरिख-दिल्ली फ्लाइट के पायलट को नशे में पाए जाने के बाद सस्पेंड कर दिया है। उसे स्विट्जरलैंड में ही उतार दिया गया। उड़ान से पहले होने वाले कंपलसरी अल्कोहल टेस्ट में उसके नशे में होने की पुष्टि हुई। जांच पूरी होने तक पायलट का निलंबन जारी रहेगा।

यह मामला 6 सितंबर का है। टेकऑफ से पहले ग्राउंड स्टाफ को पायलट से शराब की स्मेल आई थी। उन्होंने अफसरों को उसकी सूचना दी। जिसके बाद पायलट को विमान

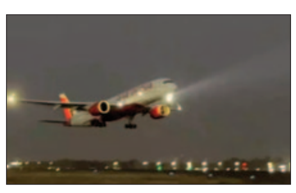

- एअर इंडिया बोली- जीरो टॉलरेंस पॉलिसी
- स्विट्जरलैंड में भी कार्रवाई की गई

से उतार दिया गया। उसे उसी फ्लाइट से भारत भेजा गया था।

एयर इंडिया ने कहा, एयर इंडिया की सुरक्षा, नियमों या प्रोटोकॉल के उल्लंघन पर जीरो टॉलरेंस नीति है। ऐसा होने पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाती है।

सरकार ने मणिपुर, नगालैंड में एएफएसपीए की समयसीमा बढ़ाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर के कुछ खास इलाकों में आर्म्ड फोर्सेज (स्पेशल पावर्स) एक्ट, 1958 को 1 अक्टूबर से अगले छह महीनों के लिए बढ़ा दिया है। यह फैसला वहां कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद लिया गया। मणिपुर में गृह मंत्रालय ने 5 जिलों के 13 पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले इलाकों को छोड़कर पूरे राज्य में अशांत क्षेत्र की घोषणा को बढ़ा दिया है।

नगालैंड में, एएफएसपीए को 9 जिलों दीमापुर, निउलैंड, चुमौकेदिमा, मोन, किफायर, नोकलाक, फेक, पेरेन और मेलुरी में बढ़ाया गया है।

अरुणाचल प्रदेश में एएफएसपीए को तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग जिलों में बढ़ाया गया है।इस आदेश में असम से सटे नामसाई जिले के नामसाई, महादेवपुर और चौकहम पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले इलाके भी शामिल हैं।

बाढ़ का खतरा

यूपी में जोरदार बारिश, सरकार बोली- बेवजह बाहर न निकलें, 52 जिलों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट

सतर्क

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी/लखनऊ/कानपुर। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात 'अर्नब' से यूपी में मौसम बिगड़ गया है। लखनऊ, गोरखपुर समेत 32 जिलों में अचानक बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। राहत आयुक्त ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि लोग सतर्क रहें। नदी के किनारों से दूर रहें। बारिश के बीच जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें।

इधर, 54 शहरों में 24 घंटे से रुक-रुक कर जोरदार बारिश हो

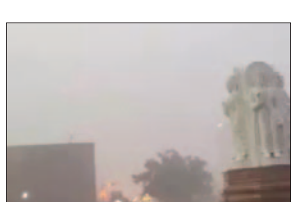

■ बलरामपुर में पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा 71.6 मिमी बारिश

रही है। अमेठी में पुलिस जगह-जगह अनाउंस कर रही है कि जलभराव वाले इलाकों से दूर रहें। लखनऊ में सुबह से अंधेरा छाया है। >> (शेष पेज 06 पर)

पुल से बहा टैंकर

बाढ़ की चेतावनी

आजमगढ़, बलिया, गाजीपुर, मऊ, महाराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, सिद्धार्थ नगर, बस्ती, बलरामपुर, अंबेडकर नगर, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, अयोध्या, गोंडा, श्रावस्ती, सीतापुर, खीरी, बहराइच, हरदोई, लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, बाराबंकी, अमेठी, फतेहपुर, कानपुर नगर, बांदा, कौशांबी और चित्रकूट।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ देशभर में कांग्रेस का प्रदर्शन

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े की मांग

■ कांग्रेस का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार चुनाव आयोग में मनमानी कर रहे हैं और दो अन्य आयुक्तों की बात नहीं सुन रहे हैं। पार्टी का ये आरोप इंडियन एक्सप्रेस में छपी उस खबर के बाद आया है जिसमें कहा गया है कि पिछले 10 महीनों में 14 बार दोनों चुनाव आयुक्तों ने आयोग के फैसलों पर आपत्ति जताई है।

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली/पटना/देहरादून । कांग्रेस शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में प्रदर्शन किया। उत्तराखंड के देहरादून में कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। पटना में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया।

इधर, कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने शुक्रवार को कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 2 अक्टूबर से देशव्यापी आंदोलन करेंगे। CJP ने गुरुवार को ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे की डेडलाइन दी थी। SIR को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में SIR के फैसलों, दिशानिर्देशों और सॉफ्टवेयर

■ कांग्रेस ने दिल्ली, लखनऊ, पटना, शिमला समेत कई शहरों में चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

कर्नाटक सीएम शिवकुमार ने की सीईसी के इस्तीफे की मांग

कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मांग का समर्थन किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। राजद कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय से इनकॉम टैक्स चौराहे तक प्रदर्शन किया। इनकॉम टैक्स चौराहे पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका।

"रायपुर में बारिश के बीच कांग्रेस कार्यकर्ता चुनाव आयोग के खिलाफ सड़क पर उतरे। वोटर लिस्ट में बदलाव, एसआईआर और कथित 'वोट चोरी' के मुद्दे को लेकर कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी चौक से शास्त्री चौक स्थित मुख्य चुनाव आयुक्त कार्यालय तक पैदल मार्च किया।

बदलावों को असंवैधानिक घोषित करने और करीब 13 करोड़ वोटर्स के नाम हटाने की SIT जांच की मांग है। बिहार के पटना में कांग्रेसी कार्यकर्ता ने बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की। प्रशासन ने इन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं- पुलिस के बीच धक्का मुक्की हुई।

जंतर मंतर पर AISA नेहा बोरा ने प्रोटेस्ट बुलाया है। उसको रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेड्स के साथ भारी पुलिसबल लगाया है। प्रदर्शन-कारियों बसों में ले जाया गया। दीपांकर भट्टाचार्य, प्रशांत भूषण को पुलिस ने हिरासत में लिया।

महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में दो याचिकाएं दायर की गई हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

ऑपरेशन जनसुनवाई : फीडबैक के बाद भी वही रिपोर्ट कॉपी-पेस्ट, 'स्पेशल क्लोज' पर उठे सवाल, बरियावन कांड के बाद फिर कटघरे में निस्तारण व्यवस्था

कागजों में जांच, जमीन पर सवाल!

कृष्ण कुमार दुबे

अकबरपुर (अम्बेडकरनगर)। मुख्यमंत्री जनसुनवाई व्यवस्था में शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को लेकर जिले में लगातार सवाल उठ रहे हैं। 'ऑपरेशन जनसुनवाई' के तहत सामने आए मामलों में शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि मौके पर जांच किए बिना ही रिपोर्ट तैयार कर दी गई और असंतुष्ट फीडबैक के बाद भी पुरानी रिपोर्ट को दोबारा इस्तेमाल किया गया।

विद्युत उपखंड महरुआ से जुड़े एक मामले में निस्तारण रिपोर्ट में लिखा गया कि अवर अभियंता सिद्धार्थ रंजन द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया तथा शिकायतकर्ता से वार्ता कर बिजनेस प्लान के तहत प्रकरण का निस्तारण किया गया।

राजस्व-पुलिस की रिपोर्ट भी सवालों के घेरे में

ग्राम नेनुआ निवासी लोकतंत्र सेनानी की पत्नी विद्या देवी श्रीवास्तव की पुश्तैनी भूमि एवं मकान से संबंधित शिकायत ने भी निस्तारण प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं।

शिकायतकर्ता का कहना है कि न तो अवर अभियंता और न ही संबंधित विद्युत खंड अधिकारी ने उनसे मौके

"लोकतंत्र सेनानी की पत्नी से लेकर विद्युत उपखंड महरुआ तक शिकायतों की जांच प्रक्रिया पर सवाल, शिकायतकर्ताओं ने मांगी स्वतंत्र जांच

विद्युत उपखंड महरुआः तारीख वही, रिपोर्ट वही!

मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। शिकायतकर्ता ने निस्तारण से असहमति जताते हुए पोर्टल पर फीडबैक/रिमाइंडर दिया। आरोप है कि इसके बाद भी पूर्व में लगाई गई रिपोर्ट को ही दोबारा अपलोड कर दिया गया। सबसे अहम सवाल रिपोर्ट की तारीख को लेकर है। शिकायतकर्ता का कहना है कि दोबारा लगाई गई रिपोर्ट में पुरानी तारीख तक नहीं बदली गई।

पर मुलाकात अथवा समुचित संपर्क किया। यही नहीं, शिकायतकर्ता का दावा है कि मौके पर भेजे गए कर्मचारी लाइनमैन राजित राम एवं संविदा कर्मी थे। निस्तारण के साथ लगाए गए फोटो को लेकर भी शिकायतकर्ता का

यानी शिकायतकर्ता का सवाल सीधा है-

अगर दोबारा जांच हुई थी तो रिपोर्ट की तारीख पुरानी क्यों रही?

और अगर वही रिपोर्ट दोबारा लगाई गई तो नए फीडबैक पर जांच कहां हुई?

कार्यालय में रिपोर्ट अपलोड करने वाले कर्मचारी अमरजीत की भूमिका को लेकर भी शिकायत-कर्ता ने सवाल उठाए हैं। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि सक्षम जांच के बाद ही हो सकती है।

कहना है कि उसमें अवर अभियंता के बजाय लाइनमैन राजित राम दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि रिपोर्ट में दर्ज स्थल निरीक्षण किस स्तर पर और किसके द्वारा किया गया? क्या शिकायत का समाधान हुआ या केवल शिकायत की प्रक्रिया बंद हुई?

>> (शेष पेज 06 पर)

शिकायतकर्ता का दावा है कि मामले में एक चरण पर शिकायत को 'स्पेशल क्लोज' किया गया। इसी को लेकर शिकायतकर्ता ने सवाल उठाया है कि जब वह निस्तारण से असंतुष्ट था और फीडबैक दे चुका था तो शिकायत को इस तरह बंद करने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

बरियावन कांड के बाद पुलिसिंग में बड़ा बदलाव

अब बाजार में खुलेगी पुलिस चौकी

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। बरियावन में रात के अंधेरे में जेसीबी से मकान-दुकान ढहाने की घटना के बाद पुलिसिंग का ढांचा बदलने की तैयारी शुरू हो गई है। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के बरियावन बाजार में अब नई पुलिस चौकी स्थापित की जाएगी। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने चौकी के लिए प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बरियावन बाजार में 20 सितंबर की रात जेसीबी से कई मकान और दुकानें ढहा दी गई थीं। मामले में

■ बरियावन प्रकरण में पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस ने तीन जेसीबी सीज की हैं और अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपितों की गिरफ्तारी शुरू की।

>> (शेष पेज 06 पर)

एसपी प्राची सिंह ने शुक्रवार को प्रस्तावित चौकी के लिए देखा स्थल, अधिकारियों को दिए निर्देश, बाजार और आसपास के क्षेत्र में बढ़ेगी पुलिस की सीधी मौजूदगी

शुक्रवार को एसपी ने खुद देखा चौकी का स्थान

नई चौकी के लिए शुक्रवार को एसपी प्राची सिंह बरियावन पहुंचीं। उन्होंने प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। चौकी के संचालन और जरूरी व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली।

>> (शेष पेज 06 पर)

पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर समयबद्ध क्रियान्वयन पर दिया जोर

'ग्राम पंचायत में योजनाओं का लाभ धरातल पर दिखना चाहिए'

निर्देश

"ग्राम पंचायतों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने के साथ विकास कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। पंचायती राज विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति, बजट से संबंधित कार्यों तथा ग्राम पंचायतों में विकासपरक गतिविधियों की समीक्षा के लिए शुक्रवार को विधान भवन में बैठक आयोजित की गई। पंचायती राज मंत्री श्री ओम प्रकाश राजभर की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति और ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में प्रमुख सचिव, पंचायती राज श्री रविन्द्र, पंचायती राज निदेशक श्री अमित सिंह सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

> बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में हैंडपंपों के सत्यापन, जल गुणवत्ता से संबंधित कार्यों तथा जियो-टैगिंग की प्रगति की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को इन कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ ही उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने के निर्देश दिए गए।

गांवों में डिजिटल सुविधाओं के विस्तार, सौर ऊर्जा और स्वच्छता कार्यों को गति देने के निर्देश

आवश्यक कार्यवाही की समीक्षा की गई

बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 के अंतर्गत फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (FSTP) की स्थापना के लिए प्राप्त धनराशि के उपयोग तथा आवश्यक कार्यवाही की समीक्षा की गई। इसके साथ ही सूचना, शिक्षा एवं संचार (IEC) गतिविधियों के प्रभावी संचालन पर भी चर्चा हुई। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने तथा स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं को और प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। राज्य बजट, केंद्र बजट एवं अनुपूरक बजट से संबंधित योजनाओं के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में डिजिटल सुविधाओं के विस्तार को भी बैठक में प्राथमिकता दी गई। इसके तहत डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना, आधार सेवा केंद्रों की स्थापना तथा ग्राम पंचायत सचिवों को शासकीय कार्यों के सुचारु निष्पादन के लिए स्मार्ट मोबाइल उपलब्ध कराने से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने अधिकारियों से विभिन्न योजनाओं की अद्यतन प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों में संचालित विकास कार्यों का लाभ ग्रामीणों तक समय से पहुंचे और योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं की नियमित निगरानी करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। डिजिटल लाइब्रेरी के अंतर्गत पुस्तकों, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और डिजिटल अध्ययन सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में भी अधिकारियों से जानकारी ली गई। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों और युवाओं को आधुनिक अध्ययन सुविधाओं से जोड़ना तथा ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाना है।

पंचायती राज मंत्री श्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि ग्राम पंचायतें ग्रामीण विकास की सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। इसलिए पंचायत स्तर पर संचालित प्रत्येक योजना का प्रभाव धरातल पर दिखाई देना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं की नियमित समीक्षा करने, कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर लक्ष्यों को पूरा करने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ग्राम सौर योजना के अंतर्गत 2,500 से अधिक आबादी वाली ग्राम पंचायतों में सोलर ऊर्जा आधारित हाईमास्ट एवं लाइट की व्यवस्था को लेकर भी विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में सौर ऊर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था के माध्यम से ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक स्थानों को बेहतर रोशनी से जोड़ने और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने से संबंधित कार्यों को गति देने पर चर्चा हुई।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में युवक से मांगी 2 लाख की रंगदारी

लखनऊ। लखनऊ के अलीगंज इलाके में दबंग ने दिव्यांग युवक के साथ मारपीट कर रंगदारी मांगी। वह कैफे में अपने परिचित से मिलने पहुंचा था। इस दौरान वहां पहुंचे दबंगों ने धमकाकर रंगदारी की मांग की। विरोध करने पर मारपीट कर फरार हो गए। इसके बाद पीड़ित थाने पहुंचा सुनवाई न होने पर कोर्ट की मदद से मुकदमा दर्ज कराया है।

लखनऊ में पुलिसवाले कांग्रेसियों को टांग ले गए

लखनऊ। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर लखनऊ में शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। विधानसभा घेरने जा रहे कार्यकर्ता पुलिस से भिड़ गए। जमकर धक्का-मुक्की हुई। पुलिस-कर्मियों ने हटाने की कोशिश की तो कार्यकर्ता सड़क पर लेट गए। पुलिसवालों ने टांगकर उन्हें वैन-बस में भरा और ईको गार्डन ले गए। प्रदर्शन करीब ढाई घंटे तक प्रदर्शन चला। दरअसल, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज प्रदर्शन का ऐलान किया था। दोपहर 12 बजे 500 से ज्यादा कार्यकर्ता कांग्रेस ऑफिस में जुट गए।

टेंपो चलाकर हवाई-जहाज कंपनी बनाने वाले के यहां आईटी रेड

लखनऊ। लखनऊ में शंख एयर के फाउंडर और चेयरमैन श्रवण कुमार विश्वकर्मा के घर और ऑफिस पर शुक्रवार को आयकर विभाग की टीम पहुंची। टीम गोमतीनगर विस्तार स्थित उनके घर पहुंची है। इसके अलावा वरदान खंड स्थित शंख टावर में कंपनी के ऑफिस पर भी जांच कर रही है। फिलहाल आयकर विभाग ने इस कार्रवाई पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

दीनदयाल जी ने अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान को दी सर्वोच्च प्राथमिकताः मुख्यमंत्री

शुक्रवार को मनाई गई पं. दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। 'अंत्योदय' के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती शुक्रवार को मनाई गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा निवेदित की। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट कर पं. दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने लिखा कि 'एकात्म मानववाद' एवं 'अंत्योदय' के प्रणेता, प्रखर राष्ट्रचिंतक एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य, श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों पर आधारित विकास की ऐसी अवधारणा प्रस्तुत की, जिसमें समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। मुख्यमंत्री ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन को आज भी समावेशी, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण का प्रेरणास्रोत बताया।

मुख्यमंत्री ने 'अंत्योदय' के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर किया पुष्पार्चन

उपाध्याय जी का चिंतन आज भी समावेशी, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण का प्रेरणास्रोतः मुख्यमंत्री

सीएम योगी के नेतृत्व में तेजी से शिखर पर पहुंचा गन्ना व चीनी उद्योग

उप्र की 8 सहकारी चीनी मिलों को मिला उत्कृष्ट दक्षता पुरस्कार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिखर पर पहुंचे गन्ना व चीनी उद्योग ने नई सफलता अर्जित की है। राष्ट्रीय सहकारी शक्कर कारखाना संघ लि. (एनएफसीएसएफ) नई दिल्ली की ओर से डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय दक्षता पुरस्कार समारोह' में उत्तर प्रदेश की 08 सहकारी चीनी मिलों को सम्मानित किया गया। संघ की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर देश की सहकारी चीनी मिलों को गन्ना विकास, तकनीकी दक्षता, वित्तीय प्रबंधन और समग्र प्रदर्शन आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं विशिष्ट योगदान के लिए प्रत्येक वर्ष दक्षता पुरस्कार दिए जाते हैं, जिससे सहकारी क्षेत्र की चीनी मिलों की कार्यक्षमता एवं दक्षता में सुधार के साथ-साथ वृद्धि हो सके। वर्ष 2024-25 के लिए घोषित पुरस्कारों में प्रदेश की दि किसान सहकारी चीनी मिल, स्नेह रोड, नजीबाबाद (बिजनौर) को सभी मानकों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए समग्र रूप से सर्वश्रेष्ठ सहकारी चीनी मिल का प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। सरजू सहकारी चीनी मिल, बेलरायां (लखीमपुर खीरी) को गन्ना विकास, दि किसान सहकारी चीनी मिल, गजरौला (अमरोहा) को चीनी परता (शुगर रिकवरी) में सुधार एवं बागपत को-ऑपरेटिव शुगर मिल्स लिमिटेड, बागपत को वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया है।

सहकारी चीनी मिलों ने परचम लहराया

इसी प्रकार वर्ष 2025-26 के लिए घोषित पुरस्कारों में भी प्रदेश की चार अन्य सहकारी चीनी मिलों ने परचम लहराया है। इसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश की दि गंगा किसान सहकारी चीनी मिल, मोरना (मुजफ्फरनगर) को गन्ना विकास, रमाला सहकारी चीनी मिल, रमाला (बागपत) तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश की दि किसान सहकारी चीनी मिल, सठियांव (आजमगढ़) को उत्कृष्ट तकनीकी दक्षता से पुरस्कृत किया गया। दि किसान सहकारी चीनी मिल, पुवायां (शाहजहांपुर) को उत्कृष्ट वित्तीय प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय दक्षता पुरस्कार से नवाजा गया।

मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में विकास कार्यों एवं सेवा संकल्प अभियान की प्रगति की समीक्षा बैठक संपन्न

मण्डल में अक्टूबर माह के अंत तक गड्ढामुक्त होंगी चिन्हित सड़कें

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में आज लखनऊ मण्डल के विकास कार्यों, विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा 'सेवा संकल्प अभियान' की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित की गई। बैठक में लखनऊ मण्डल के जनपद लखनऊ, हरदोई, खीरी, रायबरेली, सीतापुर एवं उन्नाव में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में संयुक्त विकास आयुक्त शिवाकांत द्विवेदी, वर्चुअल माध्यम से मण्डल के समस्त जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी सहित संबंधित विभागों के मण्डलीय एवं जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित सेवा संकल्प अभियान की गतिविधियों, जनभागीदारी तथा पोर्टल पर उपलब्ध प्रगति की जनपदवार समीक्षा की गई। सेवा संकल्प अभियान में मण्डल की प्रगति बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार 17 से 21 सितम्बर 2026 तक लखनऊ मण्डल के छह जनपदों में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। मण्डल स्तर पर सेवा दिवस, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, फल वितरण, टूल किट वितरण, वृक्षारोपण, नुक्कड़ नाटक, दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। मण्डल में अब तक 34 रक्तदान शिविरों में 533 व्यक्तियों द्वारा रक्तदान, 5,775 मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी लाभ, तथा 1,460 लाभार्थियों को विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत टूलकिट वितरण दर्ज किया गया है।

मण्डल में अक्टूबर माह के अंत तक गड्ढामुक्त होंगी चिन्हित सड़कें, मरम्मत कार्यों में तेजी के निर्देश

राजस्व न्यायालयों में एक वर्ष से अधिक लंबित वादों के समयबद्ध निस्तारण पर मण्डलायुक्त का जोर

आईजीआरएस शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश

ग्रामीण विकास संबंधी कार्यों की भी समीक्षा की गई

बैठक में पंचायत उत्सव भवन, जन सेवा केन्द्र, डिजिटल लाइब्रेरी, पंचायत सहायकों के रिक्त पद तथा अन्य ग्रामीण विकास संबंधी कार्यों की भी समीक्षा की गई। पंचायत उत्सव भवन वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत मण्डल में कुल 112 कार्यों में से 108 कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जिसकी समग्र प्रगति 96.43 प्रतिशत दर्ज की गई है। इसी प्रकार डिजिटल लाइब्रेरी के अंतर्गत मण्डल की 1,093 ग्राम पंचायतों में फर्नीचर आपूर्ति पूर्ण हो चुकी है। अन्य प्रकाशनों की पुस्तकों की आपूर्ति भी सभी 1,093 ग्राम पंचायतों में पूर्ण दर्ज की गई है।

बैठक में जल निगम (ग्रामीण) की पेयजल योजनाओं की नियमित जलापूर्ति एवं संयोजन की स्थिति की समीक्षा की गई। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार मण्डल में कुल 30,92,483 परिवारों के लक्ष्य के सापेक्ष 26,97,446 परिवारों को जलापूर्ति से आच्छादित किया गया है, जो 87.23 प्रतिशत है।

उप्र शिक्षक पात्रता परीक्षा के प्रमाणपत्रों में संशोधन के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (UPTET) में निर्गत प्रमाणपत्रों में सुधार कर नवीन प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। अभ्यर्थी प्रमाणपत्र में आवश्यक संशोधन के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक https://certificates.upessc.org/ के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

प्रमाणपत्र में संशोधन के लिए आवेदन केवल निर्धारित ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। डाक, प्रत्यावेदन अथवा किसी अन्य माध्यम से प्राप्त होने वाले आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। प्रमाणपत्रों में संशोधन से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश आयोग की

आधिकारिक वेबसाइट https://upessc.up.gov.in पर अपलोड कर दिए गए हैं।

उप सचिव संजय कुमार सिंह ने बताया कि संशोधित प्रमाणपत्र निर्गत किए जाने के लिए संशोधन शुल्क 200 रुपए (रुपये दो सौ मात्र) निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पूर्व आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध दिशा-निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ने तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही ऑनलाइन आवेदन करने की सलाह दी गई है।प्रमाणपत्र में एक बार संशोधन किए जाने के उपरांत अभ्यर्थी को पुनः किसी अन्य संशोधन का अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा।

संचालन : पेयजल और सीवरेज पर 27,935 करोड़ खर्च, शहरों में बढ़ेंगी नागरिक सुविधाएं

योगी सरकार संवार रही यूपी के शहर

- अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत बड़े पैमाने पर विकास कार्य संचालित
- 29 हजार करोड़ रुपये से अधिक की 637 परियोजनाओं में से 114 परियोजना पूरी, 453 पर तेजी से चल रहा कार्य
- सरोवरों के पुनर्जीवन और पार्कों के विकास से बेहतर होगा शहरी पर्यावरण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में शहरी विकास को नई गति देने के लिए योगी सरकार के प्रयासों के तहत अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत बड़े पैमाने पर विकास कार्य संचालित किए जा रहे हैं। पेयजल, सीवरेज, जल संरक्षण और हरित क्षेत्रों के विस्तार पर केंद्रित इस मिशन से प्रदेश के शहरों की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में काम हो रहा है। लगभग 29,716 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की स्वीकृति शहरी विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भारत सरकार की अटल नवीकरण एवं शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत 2.0) योजना वर्ष 2021 से 2026 तक संचालित है। इसके तहत प्रदेश के 762 नगरीय निकायों और 60 अमृत शहरों को शामिल किया गया है। योजना का उद्देश्य शहरी परिवारों को नल से शुद्ध पेयजल, सीवर कनेक्शन और बेहतर पर्यावरणीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है। शहरी पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए 403.45 करोड़ रुपये की लागत से 190 सरोवर पुनर्जीवन परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इसके अतिरिक्त 89.76 करोड़ रुपये की 1777 हरित भूमि एवं पार्क परियोजनाओं पर भी काम किया जा रहा है। एक एकड़ से अधिक क्षेत्रफल वाले सरोवरों का पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण भी मिशन का हिस्सा हैं। योगी सरकार के नेतृत्व में संचालित इन परियोजनाओं से प्रदेश के शहरों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, जल सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को गति मिलने की उम्मीद है।

पेयजल-सीवरेज परियोजनाओं को मिली रफ्तार

637 परियोजनाओं को मिली मंजूरी

प्रदेश में अमृत 2.0 के तहत कुल 637 परियोजनाओं के लिए 29,716.29 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई। इनमें से 114 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि453 परियोजनाओं पर कार्य जारी है। अब तक 612 परियोजनाओं को वित्तीय स्वीकृति और 567 की निविदाएं स्वीकृत की जा चुकी हैं।

पेयजल और सीवरेज पर विशेष जोर

योजना में सबसे बड़ा हिस्सा पेयजल और सीवरेज व्यवस्था को मजबूत करने के लिए निर्धारित किया गया है। इसके तहत 18,829 करोड़ रुपये की 437 पेयजल परियोजनाएं और 10124 करोड़ रुपये की 41 सीवरेज परियोज-नाएं शामिल हैं। इन कार्यों से शहरों में पेयजल आपूर्ति और स्वच्छता संबंधी सुविधाओं के विस्तार का लक्ष्य है।

शादी का झांसा देकर युवती से संबंध बनाने का आरोप, आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाने, मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बहराइच निवासी आतिफ खान (20) के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, 24 सितंबर को पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि आरोपी उसके साथ रह रहा था और शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता था। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट और गाली-गलौज की गई तथा जान से मारने की धमकी भी दी गई। शिकायत के आधार पर सुशांत गोल्फ सिटी थाने में मुकदमा संख्या 644/2026 दर्ज किया गया।

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए डीसीपी दक्षिणी मोहम्मद मुश्ताक के निर्देश पर दो पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों तथा स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से आरोपी आतिफ खान को गिरफ्तार कर लिया।

भारी बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए लखनऊ में 26 सितंबर को सभी स्कूल बंद

लखनऊ। जिले में पिछले कुछ घंटों से खराब मौसम और अतिवृष्टि की स्थिति तथा मौसम विभाग द्वारा जारी भारी वर्षा के पूर्वानुमान को देखते हुए जिलाधिकारी लखनऊ ने 26 सितंबर 2026 को कक्षा 12 तक के सभी विद्यालयों में शिक्षण कार्य स्थगित रखने के आदेश दिए हैं।

जिलाधिकारी कार्यालय से 25 सितंबर को जारी आदेश के अनुसार यह निर्देश लखनऊ के सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होगा। इसके तहत सभी बोर्डों द्वारा संचालित विद्यालय, राजकीय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त तथा निजी विद्यालयों में 26 सितंबर को शिक्षण कार्य नहीं होगा। जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रबंधकों, अभिभावकों तथा छात्र-छात्राओं से आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। आदेश की प्रमाणिकता जिला प्रशासन की वेबसाइट lucknow.nic.in पर भी देखी जा सकती है।

पति की गोली से घायल पत्नी की मौत

आरोप

लखनऊ केजीएमयू में 4 दिन चला इलाज ■ आरोपी पति जेल में, हत्या की धारा बढ़ेगी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के कोइलहा गांव में पति गंभीर यादव ने अपनी पत्नी साधना को गोली मार दी थी। गंभीर रूप से घायल साधना की लखनऊ केजीएमयू में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह घटना सोमवार 21 सितंबर की सुबह करीब 4:30 बजे हुई थी।

साधना को सीने में गोली लगी थी। परिजन राजकुमार, सीमा और रीना उसे हरदोई मेडिकल कॉलेज ले गए थे। वहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे लखनऊ केजीएमयू ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया था। शुक्रवार 25 सितंबर की सुबह करीब 9 बजे साधना ने दम तोड़ दिया।

साधना की शादी करीब 15 साल पहले कोइलहा निवासी गंभीर यादव से हुई थी। उनके तीन बच्चे हैं, जिनमें 14 साल की काजल, 11 साल का रौनक और 4 साल की रूही शामिल हैं। पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था।

सोमवार तड़के जब घर के लोग सो रहे थे, तभी कमरे से साधना के रोने और चीखने की आवाज आई। परिवार के लोग वहां पहुंचे तो साधना घायल हालत में पड़ी थी। आरोप है कि गोली मारने के बाद गंभीर ने परिजनों को गाली दी और धमकाया। ननद रीना के मुताबिक, आरोपी ने उन्हें सामने से हटने को कहा और विरोध करने पर गोली मारने की धमकी भी दी। इसके बाद गंभीर वहां से फरार हो गया।

साधना के ससुर राजकुमार, सास सीमा और ननद रीना उसे लेकर हरदोई मेडिकल कॉलेज पहुंचे थे। इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर शिवम राज ने बताया था कि महिला के सीने में गोली आर-पार हो गई थी। हालत गंभीर होने पर उसे केजीएमयू ट्रामा सेंटर रेफर किया गया था।

घटना के बाद साधना के पिता जयचंद ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उनकी शिकायत पर गंभीर यादव के खिलाफ जानलेवा हमले और अवैध शस्त्र अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने आरोपी को तमंचे के साथ गिरफ्तार कर लिया था। मंगलवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

कोतवाल विजय कुमार ने बताया कि महिला की मौत के बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने पर मुकदमे में हत्या की धारा बढ़ाई जाएगी। आरोपी पहले से ही जेल में है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बच्ची की पकड़िया का पेड़ गिरने से मौत

मकान की दीवार ढही, मलबे में दबकर माता-पिता घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जनपद में बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव में शुक्रवार दोपहर करीब 1:30 बजे एक हादसा हुआ। तेज हवा और बारिश के बीच एक बड़ा पकरिया का पेड़ एक मकान की पक्की दीवार पर गिर गया। दीवार ढह गई और मलबे में दबकर एक मासूम बच्ची की मौत हो गई। उसके माता-पिता घायल हो गए।

सिकंदरपुर निवासी 59वर्षीय किसान वीरेंद्र अपनी पत्नी 55 वर्षीय वीरमती और 12 वर्षीय सबसे छोटी बेटी मोनिका के साथ घर पर थे। उनके घर के बिल्कुल पास ही पकरिया का एक पुराना पेड़ था।

दोपहर के समय मौसम खराब हो गया और तेज हवा के साथ जोरदार बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान वह पेड़ अचानक वीरेंद्र के मकान की दीवार पर आ गिरा। पेड़ गिरते ही

पक्की दीवार मलबे में बदल गई और दीवार के पास मौजूद तीनों लोग मलबे में दब गए।

घर के भीतर से चीख-पुकार की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद मलबा हटाकर तीनों को बाहर निकाला।

सूचना मिलने पर एंबुलेंस भी मौके पर पहुंच गई। तीनों घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कोथावां ले जाया गया। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने 12 वर्षीय मोनिका को मृत घोषित कर दिया।

फास्ट न्यूज

भाजपा ने मनाई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

हरदोई । हरदोई में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिला कार्यालय में महान राष्ट्रवादी चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम किया गया।

इस दौरान जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर फूल चढ़ाकर उन्हें नमन किया। यह कार्यक्रम शुक्रवार दोपहर 1:30 बजे आयोजित हुआ।

चचेरा भाई भाभी को भगा ले गया

हरदोई। हरदोई जनपद के शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक अपनी चचेरी भाभी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। दावा है पति ने जब घर में चल रहे अवैध संबंधों का विरोध किया, तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने शादी का झांसा, आपराधिक धमकी और जानबूझकर अपमान करने से संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। यह रिपोर्ट गुरुवार की शाम 6:12 की गई है। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले पीड़ित व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत दी है।

महिला का शव फंदे से लटका मिला

उन्नाव । उन्नाव के औरास थाना क्षेत्र के हाथीखेड़ा गांव में शुक्रवार को एक 34 साल की महिला का शव घर में फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे महिला के मायके वाले पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने ससुराल पक्ष पर महिला के साथ मारपीट करने और हत्या कर शव फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है।

प्रेमी-प्रेमिका वीडियो बनाकर फंदे पर लटके

व्हाट्सएप पर स्टेटस लगाया- बाग में फांसी लगाई है, आकर देखो... मौत हो गई

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में शुक्रवार सुबह नाबालिग प्रेमी जोड़े ने पेड़ से फंदा लगाकर जान दे दी। दोनों ने पहले अपने गले में फंदा डालकर वीडियो बनाया। इसे अपने-अपने परिवार वालों को भेजा। प्रेमी ने अपने मोबाइल पर वाट्सऐप स्टेटस लगाकर लिखा- "नटन वाले बाग में फांसी लगा लिया है, देख लो आके। हमारी मौत हो गई है।"

लड़के का स्टेटस देखने के बाद परिवार वाले जब तक पहुंचते। लड़के-लड़की दोनों की मौत हो चुकी थी। घटना सुबह करीब 6 बजे अतरौली क्षेत्र के एक गांव की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। प्रेमिका के घरवालों ने लड़के के परिजनों के खिलाफ पुलिस में शिकायत की थी।

लड़की के घरवालों की शिकायत पर पुलिस प्रेमी के घरवालों से बातचीत की। पता चला वह भी घर से लापता है। इसके बाद से दोनों के घरवाले अपने-अपने बेटे-बेटी को तलाश रहे थे।

शुक्रवार सुबह वीडियो मिलने के बाद घटना की जानकारी हुई। बेटे-बेटी की मौत के बाद से दोनों परिवार वाले सदमे में हैं। बताया जा रहा है, गुरुवार सुबह प्रेमिका की मां ने दोनों को एक बाग में आपत्तिजनक हालत में देख लिया था।

डीएम राहुल ने गिनाईं प्राथमिकताएं

बोले- सरकारी जमीन पर कब्जा मिला तो होगी कार्रवाई ■ जल्द दिखेंगे जमीन पर सकारात्मक बदलाव

बदलाव

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के नए डीएम राहुल पांडेय ने शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे कलेक्ट्रेट के विवेकानंद सभागार में प्रेसवार्ता की। 22 सितंबर को कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने जिले के विकास और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर अपनी प्राथमिकताएं बताईं। उन्होंने कहा कि अभी अलग-अलग विभागों के कामकाज और जमीनी स्थिति को समझा जा रहा है। जल्द ही व्यवस्थाओं में सकारात्मक बदलाव दिखाई देंगे।

डीएम ने कहा कि मेडिकल कॉलेज समेत जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की जांच की जा रही है। प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं से लेकर जरूरी चिकित्सा सेवाओं को बेहतर करने पर काम होगा। उनका कहना है कि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक आसानी से पहुंचना चाहिए।

सरकारी जमीन पर कब्जे पर कार्रवाई

डीएम राहुल पांडेय ने कहा कि जिले में कहीं भी सरकारी जमीन पर कब्जा मिला तो नियमों के अनुसार उसे खाली कराया जाएगा। प्रशासन ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई करेगा।

जमीनी स्थिति समझने के बाद लिए जाएंगे फैसले

डीएम ने कहा कि कार्यभार संभाले अभी कुछ ही दिन हुए हैं। इस दौरान अलग-अलग विभागों की कार्यप्रणाली और जिले की जमीनी स्थिति का जायजा लिया जा रहा है। सभी पहलुओं की समीक्षा के बाद जरूरी कदम जल्द उठाए जाएंगे। प्रेसवार्ता में अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी, नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जनगणना और चुनाव की तैयारियों पर भी फोकस

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जनगणना और निर्वाचन से जुड़े कार्यों को प्रशासनिक टीम के साथ बेहतर तरीके से कराया जाएगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव जरूरी प्रक्रिया है। प्रशासन की जिम्मेदारी होगी कि सभी नागरिकों को बराबर और उचित अवसर मिलें।

डीएम ने कहा कि शहर के साथ ग्रामीण इलाकों में भी शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और सफाई व्यवस्था को बेहतर किया जाएगा। सरकारी योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। इन व्यवस्थाओं में सुधार से जिले के विकास को गति देने का प्रयास किया जाएगा।

आखिरी दिन 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों से गूंजा माहौल, पुलिस गोताखोर तैनात

गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

व्यवस्था

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव । उन्नाव में गणेश महोत्सव के समापन पर शुक्रवार को गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र की गजनीखेड़ा झील में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। आखिरी दिन सुबह से ही अलग-अलग जगहों से श्रद्धालु गणेश प्रतिमाएं लेकर झील पहुंचे। ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा को विदाई दी। दोपहर तक दो दर्जन से ज्यादा प्रतिमाओं का विसर्जन हो चुका था।

विसर्जन के लिए प्रशासन और पुलिस ने पहले से ही पूरी तैयारी कर ली थी। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और एसपी जयप्रकाश सिंह ने पहले ही गजनीखेड़ा झील पहुंचकर

व्यवस्थाओं का जायजा लिया था। अधिकारियों ने विसर्जन स्थल पर सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और बाकी व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए थे। इसके बाद पुलिस और प्रशासन की टीम ने विसर्जन के दौरान व्यवस्थाओं पर नजर रखी।

सुबह से ही गजनीखेड़ा झील की ओर गणेश प्रतिमाएं लेकर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। छोटी-बड़ी गाड़ियों से प्रतिमाओं को विसर्जन स्थल तक लाया गया। कई जगहों से लोग समूह में पहुंचे और पूजा-अर्चना के बाद प्रतिमाओं का विसर्जन किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने 'गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया... अगले बरस तू जल्दी आ' के जयकारे लगाए।

■ भक्तों ने श्रद्ध भाव से गणपति बप्पा को विदा किया।
■ घाटों के किनारे बड़ी संख्या में फोर्स तैनात रहा।

निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

विसर्जन यात्रा के दौरान भक्ति गीतों और जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालु ढोल की थाप पर नाचते-झूमते हुए प्रतिमाओं को लेकर झील तक पहुंचे। गणेश प्रतिमा के विसर्जन से पहले श्रद्धालुओं ने आरती और पूजा-अर्चना की। इसके बाद विधि-विधान से प्रतिमा को झील में विसर्जित किया गया। कई श्रद्धालु भावुक भी दिखे और अगले साल फिर से गणपति के आने की कामना की।

प्रशासन ने गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन में किसी तरह की गड़बड़ी न हो, इसके लिए पहले से ही तैयारियां की थीं। डीएम घनश्याम मीणा और एसपी जयप्रकाश सिंह ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया था। अधिकारियों ने पुलिस और प्रशासनिक टीम को भीड़ और यातायात व्यवस्था के साथ सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए थे। आखिरी दिन होने के कारण झील पर प्रतिमाओं के विसर्जन का काम लगातार चलता रहा।

25 साल के युवक ने की आत्महत्या

कूड़ा घर के टीन शेड में फंदे पर लटका मिला शव

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव । उन्नाव के औरास थाना क्षेत्र के बड़ा देव गांव में शुक्रवार सुबह एक युवक ने आत्महत्या कर ली। 25 साल के इस युवक का शव गांव के पश्चिम में बने आरसी सेंटर के कूड़ा घर में फंदे पर लटका मिला।

मृतक की पहचान आशु मौर्य (25) के तौर पर हुई है, जो नन्हक्के मौर्य का बेटा था। शुक्रवार सुबह जब ग्रामीण शौच के लिए निकले, तो उन्होंने कूड़ा घर के टीन शेड में शव को फंदे पर लटका देखा। ग्रामीणों ने तुरंत परिजनों को इसकी जानकारी दी।

सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। परिवार में मातम छा गया। औरास पुलिस को खबर दी गई, जिसके बाद पुलिस ने शव को नीचे

उतारा। पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

परिजनों ने बताया कि आशु तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी शादी करीब तीन महीने पहले ही हुई थी। उसकी चार बहनें रामा कांति, नीतू, प्रियांशी और निधि हैं, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है।

आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। थाना प्रभारी संजीव कुशवाहा ने बताया कि मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कार्यक्रम : अधिकारियों ने कहा- असहज स्थिति में भरोसेमंद व्यक्ति को तुरंत बताएं

बच्चों को अच्छे-बुरे स्पर्श के बारे में समझाया

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में शुक्रवार शाम 4 बजे बच्चों को लैंगिक अपराधों से बचाने और उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देने के लिए दो स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज और पायनियर इंटर कॉलेज, लखपेड़ाबाग में आयोजित कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को POCSO एक्ट-2012 के प्रावधानों और सुरक्षित-असुरक्षित स्पर्श के बारे में बताया।

पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज में अपर जनपद न्यायाधीश विनय कुमार, अपर जनपद न्यायाधीश असद अहमद हाशमी और सिविल जज (सीडी)/एफटीसी श्रद्धा ने

विद्यार्थियों को POCSO एक्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कानून 18 साल से कम उम्र के बच्चों को लैंगिक अपराधों से सुरक्षा देने के लिए बनाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि POCSO कानून के तहत बच्चे की सहमति को लैंगिक अपराध में मान्य नहीं माना जाता। अपराध की प्रकृति और परिस्थितियों के आधार पर दोषी के खिलाफ सजा का प्रावधान है। पायनियर इंटर कॉलेज में विशेष न्यायाधीश ईसी एक्ट सुभाष चंद्र तिवारी, अपर जनपद न्यायाधीश विनय आर्या और सिविल जज (जूडि.) अविरल उमराव ने विद्यार्थियों को अच्छे और बुरे स्पर्श के बारे में समझाया।

परेशानी होने पर तुरंत बताने की सलाह

उन्होंने बताया कि जिस स्पर्श से बच्चे को सुरक्षा, अपनापन और सम्मान महसूस हो, उसे सुरक्षित स्पर्श माना जा सकता है। वहीं जिस स्पर्श से डर, शर्म, असहजता या असुरक्षा महसूस हो, वह गलत हो सकता है।

अधिकारियों ने बच्चों से कहा कि अगर उन्हें किसी तरह की असहज या गलत स्थिति का सामना करना पड़े तो चुप न रहें। ऐसी स्थिति में अपने भरोसेमंद अभिभावक, शिक्षक या किसी जिम्मेदार व्यक्ति को तुरंत जानकारी दें।

■ 18 साल से कम उम्र के बच्चों की सुरक्षा के लिए कानून

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर अभियान

यह जागरूकता अभियान उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष एवं जनपद न्यायाधीश प्रतिमा श्रीवास्तव के निर्देश पर बच्चों को कानून और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

बाढ़ ड्यूटी के भुगतान को लेकर गौशाला-कर्मचारी धरने पर बैठे

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव । उन्नाव में गंगाघाट नगर पालिका परिषद की नेतुआ स्थित कान्हा गौशाला के कर्मचारियों ने शुक्रवार दोपहर बाढ़ ड्यूटी के भुगतान को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारी दोपहर करीब एक बजे बारिश के बीच गौशाला के मुख्य गेट पर धरने पर बैठ गए। उन्होंने बाढ़ के दौरान की गई अतिरिक्त ड्यूटी का भुगतान करने और कमीशन के नाम पर दबाव बनाए जाने के आरोपों की जांच कराने की मांग की।

धरने पर बैठे कर्मचारियों ने बताया कि हर साल बाढ़ के दौरान गौशाला में अतिरिक्त ड्यूटी करने पर उन्हें अलग से भुगतान किया जाता रहा है। कर्मचारियों का आरोप है कि 24 सितंबर को नगर पालिका परिषद गंगाघाट के प्रभारी अनूप शुक्ला और गौशाला प्रभारी राजा बंसल ने उन्हें बताया कि इस साल बाढ़ ड्यूटी का भुगतान नहीं किया जाएगा।

■ 2 हजार रुपए कमीशन लेने का आरोप
■ हर साल मिलता था अतिरिक्त भुगतान

कर्मचारियों के मुताबिक, यह जानकारी मिलने के बाद उन्होंने अधिकारियों के सामने अपनी नाराजगी जताई और शुक्रवार को धरने पर बैठ गए।

कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि पहले बाढ़ ड्यूटी के भुगतान में से 2 हजार रुपए कमीशन के तौर पर लिए जाते थे। उनका दावा है कि इस बार भी कमीशन के नाम पर उन पर दबाव बनाया जा रहा है।कर्मचारियों ने यह आरोप नगर पालिका प्रभारी अनूप शुक्ला और पूर्व गौशाला प्रभारी आदित्य मिश्रा पर लगाया है।

सम्पादकीय

फिर वही हंगामा

जैसा कि अपेक्षित था, नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी फिर से मुख्य चुनाव आयुक्त यानी सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मैदान में आ गए और विपक्षी दलों ने उनके विरुद्ध सड़कों पर उतरकर धरना-प्रदर्शन करने की योजना भी बना ली। यह हंगामा पहली बार नहीं हो रहा है। यह पहले भी संसद से लेकर सड़क तक हो चुका है और चुनाव आयोग की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया के खिलाफ बार-बार सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया जा चुका है। अब मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस आधार पर नए सिरे से मोर्चा खोला जा रहा है, क्योंकि बीते दिनों यह बात सामने आई कि दोनों चुनाव आयुक्तों ने बीते 10 महीनों में कम से कम 14 बार विभिन्न मुद्दों पर उनसे अपनी असहमति जताई।

चुनाव आयुक्तों के बीच असहमति होना कोई नई-अनोखी बात नहीं। हर संस्था में ऐसा होता है और शीर्ष पदों पर बैठे लोगों के बीच मतभेद होते हैं। इन मतभेदों के बावजूद संस्थाएं किसी निर्णय पर पहुंचती हैं। यही चुनाव आयोग में हुआ। चुनाव आयोग के अनुसार उसकी ओर से एसआईआर को लेकर जो भी फैसले लिए गए, वे सब सहमति से लिए गए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो दोनों चुनाव आयुक्तों को आगे आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। इस प्रश्न का भी उत्तर मिलना चाहिए कि यदि दोनों चुनाव आयुक्त जिन मुद्दों पर मुख्य चुनाव आयोग के फैसले से असहमत थे, उनके खिलाफ उन्होंने एकजुट होकर वोट क्यों नहीं किया? ध्यान रहे कि चुनाव आयोग में फैसले या तो सर्वसम्मति से होते हैं या फिर बहुमत से। यदि दो चुनाव आयुक्त किसी मुद्दे पर एकमत हों तो फिर फैसला वही होगा, जो वे चाहेंगे, न कि वह, जो मुख्य चुनाव आयुक्त चाहेंगे। स्पष्ट है कि इस तरह के आरोपों में कोई वजन नहीं दिखता कि मुख्य चुनाव आयुक्त मनमानी कर रहे हैं। वोट चोरी का जुमला उछालना जितना आसान है, उसे साबित करना उतना ही कठिन। शायद यही कारण है कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी नेता मुख्य चुनाव आयुक्त की कथित मनमानी के खिलाफ कोई प्रमाण लेकर अदालत नहीं जा पा रहे हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि एसआईआर के खिलाफ विपक्षी दलों ने जो भी आपत्तियां सुप्रीम कोर्ट के समक्ष रखीं, वे सब खारिज हो गईं। सुप्रीम कोर्ट ने न केवल एसआईआर को आवश्यक माना, बल्कि चुनाव आयोग के फार्म 6 में जोड़े गए एक अतिरिक्त घोषणापत्र को वैध भी करार दिया। ऐसा इसलिए किया गया ताकि वास्तविक मतदाताओं की पहचान हो सके। यह विचित्र है कि विपक्षी दल एक ओर मतदाता सूचियों में गलतियों की शिकायत करते हैं और दूसरी ओर उन्हें दुरुस्त करने वाली एसआईआर प्रक्रिया का विरोध भी करते हैं। क्या इसलिए कि एसआईआर प्रक्रिया घुसपैठियों को चिह्नित करने में भी सहायक बन रही है?

कुछ स्मरणीय बातें

आदर्शों का आभूषण मात्र बनने से हमारा जीवन अच्छे जीवन के लिए कुछ आदर्श नहीं होता है । आदर्श आचरण के रूप में घटित हों तो हमारा आदर्श जीवन निश्चित है। दुनिया के सारे सुख-वैभव-ऐश्वर्य फीके हैं यदि हमारे में सादा जीवन उच्च विचार ,विनम्रता , सेवा भावना , करुणा , दया ,शांति आदि नही हैं ।हमें अपने को साधना बहुत ज़रूरी हैं जिससे हमारी अपनी असीमित इच्छाओं पर अंकुश लगे ।हमारे को बाहर से ज्यादा भितर से खतरा है हमें उन चीजों से बचकर रहना हैं ।हमारा जीवन नश्वर है । इस सत्य को हमारे द्वारा प्रायः कम ही याद रखा जाता है। यदा-कदा किसी के वियोग पर अथवा भीषण शारीरिक रुग्णता व अस्वस्थता में ही स्मृति में आता है। जो भी हो इस संदर्भ में एक बात जो किसी ने अंग्रेजी में कही है की चिन्तनीय व स्मरणीय है Build Your Life Worth ,Not The Networth ।इसके लिए हमें ईमानदारी व सत्यनिष्ठा के दो स्तंभों का सहारा कभी न छोड़ना हैं । ये हैं तो सद्भावना, सदव्यवहार परोपकार आदि की भावना हैं जों की स्वतः पनपेगी जो हमारे जीवन के मूलभूत गुणों को विकसित करती रहेगी। हम आध्यात्मिकता की नींव पर सदैव अडिग रहें। कठिनाइयाँ आएँ तो भी इसका सहारा कभी न छोड़ें। जीवन की सार्थकता तभी है कि कुछ नया करते रहना। नित नये -नये सोपान चढ़ते रहना। हमारा जीवन तभी रहेगा स्फूर्त,ऊर्जावान , प्रभावी जब हमारी मानसिक प्रवृत्ति रहेगी जिज्ञासुवृत्ति वाली । तभी हम कर सकते हैं नित नई-नई प्रगति ।हम अपने मन को थोडा बड़ा और मजबूत बनाएँगे तो विवेक द्वार सदा खुला रहेगा अच्छे जीवन के लिए कुछ मननीय एवं स्मरणीय बातो के प्रवेश के लिए ।

› प्रदीप छाजेड़
› (बोरावड़)

स्वस्थ पर्यावरण तो स्वस्थ मानव यही स्वस्थ पृथ्वी का संकल्प

> जलवायु परिवर्तन का सबसे कठोर चेहरा आज मानव शरीर पर दिखाई दे रहा है। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार 2000-2004 की तुलना में 2017-2021 के दौरान 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में गर्मी से संबंधित मृत्यु-दर लगभग 85 प्रतिशत बढ़ी।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का संदेश है- "पर्यावरण स्वास्थ्य-समुदायों की रक्षा के लिए विज्ञान के साथ खड़े होना।" यह थीम केवल पर्यावरण की रक्षा का आह्वान नहीं है, बल्कि विज्ञान, प्रमाण और सामूहिक जिम्मेदारी को मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा से जोड़ती है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता यही समझने की है कि पर्यावरण और स्वास्थ्य दो अलग-अलग विषय नहीं हैं। जिस हवा में हम सांस लेते हैं, जिस पानी को पीते हैं, जिस मिट्टी में अन्न उगता है, जिस तापमान में हमारा शरीर जीता है और जिस जैव-विविधता के बीच हमारा जीवन चलता है, ये सभी हमारे स्वास्थ्य के अदृश्य आधार हैं। पर्यावरण बीमार होगा तो मनुष्य स्वस्थ नहीं रह सकता और मनुष्य का अस्वस्थ जीवन पर्यावरण को और अधिक बीमार करेगा। दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है और जल-संकट अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार लगभग 3.6 अरब लोग वर्ष में कम-से-कम एक महीने अपर्याप्त जल उपलब्धता का सामना करते हैं। वर्ष 2000 के बाद बाढ़ से जुड़ी आपदाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की संख्या व अवधि में 29 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पानी कम हो रहा है, इसका अर्थ यह भी है कि बीमारियां, विस्थापन, खाद्य-असुरक्षा और मानसिक तनाव बढ़ने की जमीन तैयार हो रही है। गर्मी केवल असुविधा नहीं है, यह हृदय, श्वसन, मधुमेह, मानसिक स्वास्थ्य और अन्य बीमारियों को गंभीर बना सकती है। इसीलिए जलवायु नीति को स्वास्थ्य नीति से अलग देखने का समय समाप्त हो चुका है। वास्तव में पर्यावरणीय जोखिम आज वैश्विक स्वास्थ्य का मौन संकट बन चुके हैं। डब्ल्यू.एच.ओ. के अनुसार पर्यावरण से जुड़े जोखिमों को कम करके दुनिया में होने वाली लगभग 24 प्रतिशत मौतों को रोका जा सकता है। वायु प्रदूषण अकेले हर वर्ष लाखों समयपूर्व मौतों से जुड़ा है। इसलिए अस्पतालों की संख्या बढ़ाना ही स्वास्थ्य व्यवस्था का अंतिम लक्ष्य नहीं हो सकता। यदि हवा प्रदूषित है, पानी असुरक्षित है, मिट्टी जहरीली है और शहरों में गर्मी बढ़ रही है, तो बीमारी के कारणों को छोड़े रखकर केवल इलाज की व्यवस्था बढ़ाना अधूरा प्रयास होगा।

आज दुनिया को "इलाज आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था" से "रोकथाम आधारित पर्यावरणीय स्वास्थ्य व्यवस्था" की ओर बढ़ना होगा। अस्पताल बीमारी आने के बाद काम करता है, लेकिन स्वच्छ हवा बीमारी आने से पहले ही उसकी संभावना कम कर देती है। सुरक्षित पेयजल अस्पतालों पर बोझ घटाता है। हरित क्षेत्र मानसिक स्वास्थ्य को सहारा देते हैं। स्वच्छ ऊर्जा श्वसन रोगों का जोखिम घटाती है। बेहतर सार्वजनिक परिवहन वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन दोनों को कम कर सकता है। यही पर्यावरण और स्वास्थ्य का वास्तविक सहजीवन है। इसलिए विकास की परिभाषा पर भी पुनर्विचार जरूरी है। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें, अधिक उपभोग और अधिक उत्पादन अपने आप में विकास नहीं हैं। विकास वह है जिसमें मनुष्य के साथ नदी, जंगल, मिट्टी, पशु-पक्षी और आने वाली पीढ़ियों के जीवन का भी स्थान हो। यूएनईपी के नवीनतम ग्लोबल इनवारमेंट आउटलुक-7 ने भी रेखांकित किया है कि स्थिर जलवायु, स्वस्थ प्रकृति, बेहतर भूमि-प्रबंधन और प्रदूषण-मुक्त वातावरण में निवेश से आने वाले दशकों में अर्थव्यवस्था को बड़े लाभ मिल सकते हैं, जबकि वर्तमान विनाशकारी रास्ता जलवायु, जैव-विविधता, भूमि और स्वास्थ्य पर भारी कीमत डाल सकता है।

यहां भारत के लिए भी एक बड़ी संभावना छिपी है। जल-संरक्षण को केवल सरकारी योजना न बनाकर जन-आंदोलन बनाना होगा। वर्षाजल संचयन, तालाबों और झीलों का पुनर्जीवन, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह की रक्षा, भूजल का वैज्ञानिक प्रबंधन, जल-अपव्यय पर नियंत्रण और कृषि में कम पानी वाली तकनीकों का विस्तार-ये सब पर्यावरण नीति के साथ-साथ स्वास्थ्य नीति भी हैं। हर पुनर्जीवित तालाब केवल पानी नहीं बचाता, वह भविष्य की बीमारी, विस्थापन और खाद्य-संकट को भी कम करने में योगदान देता है। इसी प्रकार जंगलों और जैव-विविधता की रक्षा को भी स्वास्थ्य के केंद्र में लाना होगा। मनुष्य ने जब जंगलों को काटा, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को नष्ट किया और प्रकृति के संतुलन को तोड़ा, तो उसका प्रभाव केवल पेड़-पौधों तक सीमित नहीं रहा। डब्ल्यू.एच.ओ. आज पर्यावरण, पशु और मानव स्वास्थ्य को एक साथ देखने वाले "वन हैल्थ" दृष्टिकोण पर बल देता है। इसका संदेश स्पष्ट है-मानव स्वास्थ्य को पृथक द्वीप की तरह सुरक्षित नहीं किया जा सकता, स्वस्थ मनुष्य के लिए स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र आवश्यक है।

नई दिशा यह होनी चाहिए कि प्रत्येक शहर अपना "पर्यावरण स्वास्थ्य बजट" बनाए। इसमें केवल सड़क और भवन नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति हरित क्षेत्र, स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी, वृक्ष आवरण, जल-संचयन, कचरा प्रबंधन, गर्मी से सुरक्षा और जैव-विविधता जैसे मानकों को भी शामिल किया जाए। प्रत्येक विद्यालय में बच्चों को केवल पर्यावरण दिवस पर पौधा लगाने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें अपने क्षेत्र की नदी, तालाब, जलस्तर, वायु गुणवत्ता और जैव-विविधता का स्थानीय संरक्षक बनाया जाए। अस्पतालों को भी ऊर्जा-कुशल, कम-कार्बन और जल-संरक्षण आधारित बनाया जाए। विज्ञान इस अभियान का मार्गदर्शक बने और संवेदना उसका आधार। आंकड़े हमें संकट का आकार बताते हैं, लेकिन संवेदना हमें कार्रवाई के लिए प्रेरित करती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि प्रकृति कोई बाहरी वस्तु नहीं है जिसे हम बचा रहे हैं, हम स्वयं प्रकृति का हिस्सा हैं। नदी को बचाना अपने रक्त में बहते जल को बचाना है, जंगल को बचाना अपनी सांस को बचाना है, मिट्टी को बचाना अपने भोजन को बचाना है और जलवायु को बचाना अपने भविष्य को बचाना है। आज आवश्यकता पर्यावरण बनाम विकास की बहस की नहीं, बल्कि पर्यावरण-सम्मत विकास की है। विज्ञान हमें रास्ता दिखा रहा है और प्रकृति हमें उसकी कीमत का संकेत दे रही है। अब निर्णय मनुष्य को करना है कि वह संसाधनों का स्वामी बनकर उन्हें समाप्त करेगा या संरक्षक बनकर उन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएगा।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 2026 का वास्तविक संदेश यही होना चाहिए-स्वास्थ्य मंत्रालय अकेले स्वस्थ समाज नहीं बना सकता और पर्यावरण मंत्रालय अकेले स्वस्थ पृथ्वी नहीं बचा सकता।

– ललित गर्ग

मई 2026 में बीजिग...

राजेश श्रीवास्तव

चीन को खुश करने में क्यों जुटा है अमेरिका

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिग 11 साल बाद अमेरिका पहुंचे हैं। भारतीय समय के मुताबिक 23-24 सितंबर की रात 2:30 बजे उनका विमान वॉशिगटन डीसी के जॉइंट बेस एंड्रयूज पर लैंड हुआ। राष्ट्रपति ट्रम्प प्रोटोकॉल तोड़कर जिनपिग का स्वागत करने एयरपोर्ट पहुंचे। मिलिट्री बैंड और बी-1 बॉम्बर जेट के फ्लाईओवर के साथ उनका स्वागत हुआ। किसी विदेशी नेता के स्वागत के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति का एयरपोर्ट जाना बेहद दुर्लभ है। अगस्त 2025 में भी ट्रम्प ने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति पुतिन का एयरफील्ड पर स्वागत किया था। हालांकि वो न्यूट्रल वेन्यू हुई स्पेशल मीटिग थी, कोई स्टेट विजिट नहीं।

ट्रम्प फर्स्ट लेडी मेलानिया के साथ जिनपिग को रिसीव करने पहुंचे थे। मिलिट्री बैंड और बी-1 बॉम्बर जेट के फ्लाईओवर के साथ उनका स्वागत हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति के घर व्हाइट हाउस में जिनपिग का स्वागत हुआ। उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गयी और अमेरिकी सेना के 479 जवानों ने 'प्रेसिडेंशियल सैल्यूट' किया। उनके स्वागत में मरीन बैंड चीन और अमेरिका के राष्ट्रगान बजाया गया । अब सवाल यह है कि जब अमेरिका में दशकों पुरानी परंपरा रही है कि विदेशी नेता राष्ट्रपति से मिलने व्हाइट हाउस आते हैं, व्हाइट हाउस उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट नहीं जाता तो फिर ट्रम्प का प्रोटोकॉल तोड़ना सिर्फ शिष्टाचार नहीं, चीन की अहमियत का कूटनीतिक संकेत माना जा रहा है। इसकी वजह मोटे-तौर पर 4 मांगों में छिपी है। ट्रम्प ने पिछले साल चीन, भारत समेत 90 देशों पर टैरिफ लगाया। चीन ने भी अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाए। दोनों के बीच 'टैरिफ वॉर' छिड़ गई। कारोबार पर असर पड़ा ही, जरूरी चीजों की सप्लाई भी ठप पड़ने लगी। अक्टूबर 2025 में दक्षिण कोरिया के बुसान में ट्रम्प और जिनपिग की मुलाकात में 'ट्रेड ट्रूस', यानी टैरिफ वॉर पर सीजफायर हुआ। कृषि उत्पाद, क्रिटिकल मिनरल्स, टेक्नोलॉजी वगैरह पर अस्थायी समझौते हो गए।

इसी के तहत चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स के एक्सपोर्ट कंट्रोल एक साल के लिए टाले थे, जो 10 नवंबर को खत्म हो रहे हैं। ट्रम्प चाहते हैं कि रेयर अर्थ मिनरल्स की सप्लाई बरकरार रहे। अमेरिका विदेशों से जितना रेयर अर्थ मिनरल्स खरीदता है, उसमें 70% हिस्सा चीन से आता है। अगर चीन ने सप्लाई रोकी, तो अमेरिकी कारों, हथियार, एयरोस्पेस और इलेक्ट्रॉनिक्स का प्रोडक्शन बहुत धीमा पड़ जाएगा। बुसान एग्रीमेंट के तहत अमेरिका ने चीन से होने वाले आयात पर औसत टैरिफ 57% से घटाकर 47% कर दिया था। एक साल के लिए नए टैरिफ को रोक दिया था।

मई 2026 में बीजिग समिट के दौरान 'बोर्ड ऑफ ट्रेड' नाम का एक सिस्टम बनाने की चर्चा हुई थी। इसमें '30 फॉर 30' फ्रेमवर्क पर सहमति बनी। दोनों देश एक-दूसरे के करीब 30 अरब डॉलर के गैर-संवेदनशील और गैर-रणनीतिक सामानों जैसे- जूते, कपड़े, रसोई के सामान, कृषि उत्पाद वगैरह पर टैरिफ में छूट देंगे। अमेरिका चाहता है कि यह छूट चाकू, बेलन, नोटबुक, बोर्ड गेम्स जैसे लो-टेक कंज्यूमर प्रोडक्ट्स तक सीमित रहे। जबकि चीन चाहता है कि इसमें सेमीकंडक्टर, टेक्नोलॉजी, सॉफ्टवेयर वगैरह भी शामिल हों।

बड़ी डील की घोषणा, जिससे मिड-टर्म चुनावों में माहौल बने

मई में ट्रम्प के बीजिग दौरे के बाद व्हाइट हाउस ने बताया था कि 200 बोइंग एयरक्राफ्ट, सोयाबीन पर डील के अलावा 2026-28 तक चीन हर साल अमेरिका से 17 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद खरीदेगा। तब चीन की कॉमर्स मिनिस्ट्री ने न तो रकम की पुष्टि की, न सोयाबीन का नाम लिया। सिर्फ कृषि व्यापार बढ़ाने और एयरक्राफ्ट डील की बात कही। यानी यह सब अमेरिकी दावे पर टिका है। ट्रम्प चाहते हैं कि ये डील हो या पॉजिटिव बात बने, ताकि चीन से व्यापार घाटा कम हो और नवंबर में मिडटर्म इलेक्शन में ट्रम्प के लिए माहौल बने। पिछले साल अमेरिका को चीन से 202 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ था। 2015 में अमेरिका दौरे पर आए शी जिनपिग ने वॉशिगटन स्थित बोइंग की फैक्ट्री का दौरा किया था। यहां से 300 बोइंग खरीदने की डील का ऐलान किया था।

अमेरिका ने चीन के साथ एक 'एआई हॉटलाइन' बनाने की सिफारिश की है। अगर एआई टेस्टिंग और डेवलपमेंट के दौरान कोई ऐसा हादसा होता है जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो, तो ये देश एक-दूसरे को नोटिफिकेशन जारी कर खबर करेंगे। बीते दिनों एंथ्रॉपिक और ओपन एआई जैसी कंपनियों में एआई डेवलपमेंट पर काम करने वाले कई सीनियर कर्मचारियों ने इस्तीफ़े दिए। उनका तर्क था कि एआई डेवलपमेंट बेलगाम हो रहा है, जिससे मानवता को खतरा है। इसकी रफ्तार धीमी करनी चाहिए।

20 सितंबर को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और चीनी वाइस प्रीमियर ही लिफेंग ने इस पर चर्चा की थी। हालांकि चीन ने अमेरिका की सिफारिश मानने का कंफर्मेशन नहीं दिया है। अमेरिकी थिकटैंक सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज में चीनी कारोबार के एक्सपर्ट स्कॉट कैनेडी के मुताबिक, 'ट्रम्प प्रशासन को उम्मीद थी कि टैरिफ के एकतरफा भारी दबाव से चीन झुक जाएगा। ऐसा नहीं हुआ। चीन का निर्यात इस साल 28% बढ़ा है। इसलिए मोलभाव में शी की स्थिति ट्रम्प से मजबूत दिख रही है।'

प्रदेश में ...

लाल कमल

हॉट कुक्ड मील योजना से संवर रहा बचपन, आंगनबाड़ी केंद्र बन रहे पोषण की नई पाठशाला

बचपन जीवन का वह स्वर्णिम काल है, इस उम्र में शरीर और मस्तिष्क का विकास सबसे तेजी से होता है। इस उम्र में मिलने वाला पौष्टिक आहार बच्चों के स्वस्थ भविष्य की मजबूत नींव तैयार करता है। इसी सोच के साथ प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश में 'हॉट कुक्ड मील योजना' के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों पर आने वाले 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को गर्म एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध करा रही है।

भारत सरकार के 'पोषण 2.0' के दिशा-निर्देशों के अनुरूप 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को माह में 25 दिन अर्थात वर्ष में 300 दिन अनुपूरक पुष्टाहार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी व्यवस्था को और प्रभावी बनाते हुए बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र पर ही गर्म-पका भोजन उपलब्ध कराने की पहल की गई है। इसका उद्देश्य बच्चों को बेहतर पोषण प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें आंगनबाड़ी केंद्रों से नियमित रूप से जोड़ना भी है।

उत्तर प्रदेश में 24 नवंबर, 2023 को जनपद अयोध्या से मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा हॉट कुक्ड मील योजना का शुभारंभ किया गया। इस योजना के प्रारंभ होने के बाद आंगनबाड़ी केंद्रों पर आने वाले नन्हे-मुन्नों के लिए पोषण की थाली में गर्म भोजन का स्वाद और पौष्टिकता दोनों शामिल हुए हैं। हॉट कुक्ड मील योजना महज बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने की योजना नहीं है, बल्कि यह पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक विकास को एक साथ मजबूत करने का प्रयास है। गर्म और ताजा भोजन मिलने से बच्चों के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों का आकर्षण बढ़ा है। 3 वर्ष से 6 वर्ष तक के बच्चों को आटा, वेशन बर्फी (मीठा) दलिया, मूँग, सोया खिचड़ी (नमकीन) तथा अतिकुपोषित बच्चों को ऊर्जायुक्त दलिया, हलवा आदि दिया जाता है। इसका सकारात्मक असर बच्चों के नामांकन और नियमित उपस्थिति पर भी दिखाई दे रहा है।

प्रदेश में संचालित 1,89,621 आंगनबाड़ी केंद्र पहले से ही बच्चों के प्रारंभिक विकास और पोषण का महत्वपूर्ण केंद्र रहे हैं। यहां बच्चों को पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं के साथ प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा से जोड़ा जाता है। ऐसे में हॉट कुक्ड मील योजना ने इन केंद्रों की उपयोगिता को और व्यापक बनाया है। भोजन की एक गर्म थाली बच्चों को पोषण देने के साथ उन्हें सीखने, खेलने और स्वस्थ वातावरण में विकसित होने का अवसर भी प्रदान करती है।

इस योजना का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसका प्रभाव केवल तत्काल भोजन तक सीमित नहीं है। संतुलित पोषण बच्चों की शारीरिक वृद्धि, मानसिक विकास और सीखने की क्षमता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यही कारण है कि हॉट कुक्ड मील को सुपोषित बचपन के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

योजना के संचालन से आंगनबाड़ी केंद्रों में 3 से 6 वर्ष के बच्चों का नामांकन, उपस्थिति तथा पोषण स्तर सुधारने की दिशा में सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

जरा हटके

शिक्षा क्षेत्र से ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

मुरादाबाद में सौर ऊर्जा से संवर रहा जरूरतमंद बच्चों का भविष्य

'पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' देश और प्रदेश में ऊर्जा आत्मनिर्भरता के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई यह महत्वाकांक्षी योजना आम नागरिकों के घरेलू बजट को संतुलित करने के साथ उनके जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार ला रही है। उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद की निवासी एवं स्थानीय निजी विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सरिता रानी इस योजना की एक विशिष्ट और प्रेरक लाभार्थी के रूप में सामने आई हैं। उन्होंने सौर ऊर्जा को न केवल अपनी आर्थिक बचत का आधार बनाया, बल्कि उस बचत से समाज के वंचित वर्ग के बच्चों की शिक्षा को संबल प्रदान कर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

श्रीमती सरिता रानी ने उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) के तकनीकी मार्गदर्शन और जिला प्रशासन के सहयोग से अपने आवास की छत पर 03 किलोवाट क्षमता का ग्रिड-कनेक्टेड रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित कराया। इस संयंत्र की स्थापना पर उन्हें केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रावधानों के तहत कुल 1,08,000 रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। इसमें केंद्र सरकार द्वारा अनुमन्य 78,000 रुपये की वित्तीय सहायता तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दी जाने वाली 30,000 रुपये की अतिरिक्त राज्य टॉप-अप सब्सिडी शामिल है। यह संपूर्ण अनुदान राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित की गई, जिससे संयंत्र स्थापना का वित्तीय भार न्यूनतम हो गया। रूफटॉप सोलर सिस्टम की स्थापना और नेट-मीटरिंग प्रणाली के संचालन के उपरांत उनके परिवार को विद्युत बिलों के भारी आर्थिक बोझ से स्थायी राहत मिली है। संयंत्र से होने वाले सतत उत्पादन के चलते उन्हें प्रतिमाह लगभग 4,000 से 4,500 रुपये तक की नियमित बचत हो रही है। पूर्व में घरेलू बजट का एक बड़ा हिस्सा पारंपरिक विद्युत आपूर्ति के मासिक भुगतान में व्यय होता था, किंतु अब आवासीय ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति स्वतः उत्पादित स्वच्छ सौर ऊर्जा से हो रही है।

शिक्षा क्षेत्र से निरंतर जुड़े रहने के कारण श्रीमती सरिता रानी ने अपने कार्यक्षेत्र में अनुभव किया कि आर्थिक रूप से विपन्न परिवारों के कई बच्चे बुनियादी संसाधनों के अभाव में नियमित अध्ययन जारी रखने में कठिनाई महसूस करते हैं। पाठ्य-पुस्तकों, स्कूल यूनिफॉर्म और सामान्य मासिक शुल्क का प्रबंध न हो पाना उनकी शिक्षा में प्रमुख रुकावट बनता था। इस सामाजिक आवश्यकता को देखते हुए उन्होंने सौर संयंत्र से होने वाली मासिक आर्थिक बचत को व्यक्तिगत उपभोग तक सीमित न रखकर गरीब एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा पर व्यय करने का संकल्प लिया। बिजली के बिल में होने वाली इस नियमित बचत से वे निरंतर निर्धन छात्रों को पाठ्य-पुस्तकें, नोटबुक, विद्यालयी गणवेश और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा रही हैं। इसके साथ ही अत्यंत असहाय बच्चों के शिक्षण शुल्क की प्रतिपूर्ति भी इसी राशि से की जा रही है। इस संवेदनशील पहल के माध्यम से सौर ऊर्जा से प्राप्त आर्थिक लाभ का विस्तार व्यक्तिगत गृहस्थी से आगे बढ़कर सीधे समाज और भावी पीढ़ी के सशक्तीकरण तक पहुंच रहा है। श्रीमती सरिता रानी अपने व्यक्तिगत अनुभव को प्रेरणा के रूप में प्रस्तुत करते हुए व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता का प्रसार भी कर रही हैं। वे आमजन को प्रेरित करते हुए स्पष्ट संदेश देती हैं कि सूर्य को अपने परिवार का एक उत्पादक सदस्य बनाया जाए और उससे प्राप्त होने वाले आर्थिक लाभ का उपयोग संतानों की उच्च शिक्षा तथा सुरक्षित भविष्य निर्माण में किया जाए। उनका यह व्यवहारिक दृष्टिकोण स्थानीय स्तर पर आम नागरिकों के मध्य पर्यावरण-संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व की एक नई सोच विकसित कर रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना को पूरे प्रदेश में मिशन मोड के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। राज्य सरकार ने प्रदेश के अधिक से अधिक आवासीय भवनों की छतों पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। यूपीनेडा को इस व्यापक अभियान की राज्य स्तरीय नोडल संस्था का दायित्व सौंपा गया है, जो जिला प्रशासन और क्षेत्रीय तंत्र के समन्वय से समस्त तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को गति दे रही है। घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा प्रणाली अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार केंद्रीय सहायता के अतिरिक्त अपनी ओर से विशेष राज्य स्तरीय टॉप-अप अनुदान दे रही है। नीतिगत व्यवस्था के अनुसार 1 किलोवाट क्षमता के संयंत्र पर राज्य सरकार द्वारा 15,000 रुपये तथा 02 किलोवाट अथवा उससे अधिक क्षमता पर 30,000 रुपये का अतिरिक्त अनुदान सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजा जा रहा है। इस प्रकार केंद्र और राज्य के संयुक्त अनुदान से 03 किलोवाट तक के संयंत्रों पर उपभोक्ताओं को एक लाख रुपये से अधिक की सीधी वित्तीय राहत प्राप्त हो रही है। योजना की क्रियान्वयन प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए राष्ट्रीय पोर्टल की व्यवस्था लागू की गई है। इस सिंगल विंडो डिजिटल व्यवस्था के माध्यम से वेंडर का चयन, तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट (टीएफआर) का अनुमोदन और बैंकों के माध्यम से रियायती ब्याज दरों पर संपाश्र्विक-मुक्त ऋण की सुविधा पूरी तरह ऑनलाइन उपलब्ध है।

चंपत राय को वीडियो भेजा, पुलिस की चार्जशीट में बड़े खुलासे

राम-मंदिर के कर्मचारी ने ही पहली बार चढ़ावा चोरी देखा

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी। इसमें दावा किया है कि पहली बार चढ़ावे के रुपए चोरी होते एक कर्मचारी आनंद कुमार चौधरी ने देखा। उसने ट्रस्ट के तत्कालीन महासचिव चंपत राय को वीडियो भेजा। तारीख थी- 4 जून, 2026।

लिखा कि 67 लड़के इस चोरी में शामिल हो सकते हैं। वीडियो में कर्मचारी कमर में नोटो की गड्डियां छिपाते हुए दिख रहे थे।

यही वो पहला मौका था, जिसके बाद चढ़ावा चोरी की परते खुलती चली गईं। चंपत उस वक्त अयोध्या में नहीं थे। दूसरे दिन यानी 5 जून, 2026 को अयोध्या पहुंचने के बाद डॉ. अनिल मिश्रा, गोपाल राव और डॉ. नरेंद्र ने उस कमरे के CCTV दिखाए। जिसमें कर्मचारियों की करतूत साफ दिख रही थी। 73 हजार 480 पन्नों की चार्जशीट में पुलिस ने 8 आरोपियों के खिलाफ CCTV फुटेज, मोबाइल से मिले डिजिटल साक्ष्य, गवाहों के बयान, बैंक खातों में नकद जमा, संपत्तियों की खरीद और बरामदगी के सबूत पेश किए गए हैं।

पुलिस ने माना- चढ़ावा चोरी से संपत्तियां खरीदी

पुलिस ने चढ़ावा चोरी के रुपयों को ट्रेक करने के लिए बैंक खातों और संपत्तियों तक को जोड़ा है। जांच में कई आरोपियों व उनके परिजनों के खातों में नकद जमा, जमीन/मकान, कार, बाइक, कैमरा और आभूषण खरीदने के बारे में जानकारी मिली है। पुलिस ने माना कि ये सब चढ़ावा चोरी के रुपयों से खरीदा गया है।

टिन्नू यादव

अनुकल्प मिश्रा

बाहरी नहीं, छंटाई-गिनाई के काम में लगे कर्मचारियों ने चोरी की

चार्जशीट में पुलिस ने माना कि दान या चढ़ावे तक कोई बाहरी व्यक्ति नहीं पहुंचा। गणना और छंटाई की जिम्मेदारी संभालने वाले कर्मचारियों ने ही चोरी की। CCTV को अहम सबूत माना गया। जांच रिपोर्ट में अलग-अलग आरोपियों के गणना कक्ष में नोटों से छेड़छाड़, रकम निकालने और इस काम में दूसरे आरोपियों की मदद करते हुए सबूत दिए गए हैं।

मोबाइल चैट में नोटों के बंडल छिपाने/हटाने की बातचीत

पुलिस ने CCTV के साथ मोबाइल फोन से मिले टेक्स्ट मैसेज को भी महत्वपूर्ण साक्ष्य बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला और लवकुश मिश्रा के बीच कैश के बंडल रखने, छिपाने, अदला-बदली करने और इधर-उधर ले जाने से संबंधित मैसेज मिले हैं। CDR में आरोपियों के बीच लगातार बातचीत होने के सबूत हैं।

बारिश के बीच गाजे-बाजे के साथ निकली गणपति बप्पा की विसर्जन शोभायात्रा

21 वर्षों से लोधेश्वर महादेवा में मनाया जा रहा गणेश महोत्सव

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। लोधेश्वर महादेवा में श्री गणेश महोत्सव का 21वां आयोजन शुक्रवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। लगातार हो रही बारिश भी श्रद्धालुओं की आस्था को नहीं रोक सकी। सुबह से हो रही जोरदार बारिश के बीच गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना, हवन और पूर्णाहुति के बाद दोपहर में गाजे-बाजे के साथ भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धालु बारिश में भीगते हुए डीजे की धुन पर नाचते-गाते और गणपति बप्पा के जयकारे लगाते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए।

लोधेश्वर महादेवा के श्री गणेश महोत्सव पंडाल में 15 सितंबर को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गणपति बप्पा की प्रतिमा की विधिवत स्थापना की गई थी। मठ रिसीवर हरिप्रसाद द्विवेदी के संरक्षण में आयोजित महोत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम हुए। 23 सितंबर को विशाल कन्याभोज और भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। शुक्रवार को सुबह से ही क्षेत्र में तेज बारिश होती रही। इसके बावजूद गणेश महोत्सव पंडाल में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। हवन-पूजन के बाद पंडित मयंक शास्त्री, पंडित योगेश शास्त्री और लवकुश मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूर्णाहुति कराई। इसके बाद करीब तीन बजे गणपति बप्पा की विसर्जन शोभायात्रा शुरू हुई। बारिश के बीच डीजे की धुन पर श्रद्धालु भक्ति में झूमते नजर आए। शोभायात्रा में ₹गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ₹, ₹एक-दो-तीन-चार, गणपति बप्पा की जय-जयकार₹ और ₹देवा हो देवा, गणपति देवा₹ जैसे जयकारे गूंजते रहे।

फास्ट न्यूज

गोरखपुर में पॉक्सो कोर्ट में 5वीं गवाही पूरी

गोरखपुर। गोरखपुर जिला अस्पताल से सिपाही ने 10 साल की बच्ची को अगवाकर रेप और हत्या किया था। मामले में गुरुवार को स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में 5वीं गवाही पूरी हो गई। सरकारी वकील ने मानीराम स्थित सरस्वती विद्या मंदिर, चिउटहां की प्रिंसिपल गरिमा उपाध्याय को कोर्ट में पेश किया। उन्होंने स्कूल के सीसीटीवी फुटेज की पुष्टि की, जो पुलिस को जांच के दौरान दी गई थी।

243 साल पुरानी विश्वप्रसिद्ध रामनगर रामलीला का आगाज

वाराणसी। वाराणसी के रामनगर में विश्वप्रसिद्ध रामलीला का शुक्रवार को पारंपरिक भव्यता के साथ शुभारंभ हुआ। पहले दिन रावण जन्म, उसके यज्ञ, ब्रह्मा से वरदान प्राप्त करने और उसके बाद देवलोक व पृथ्वी पर बढ़ते अत्याचारों के प्रसंगों का मंचन किया गया। रामनगर की गलियों और निर्धारित लीला स्थलों पर हजारों श्रद्धालु एवं लीला प्रेमी इस ऐतिहासिक परंपरा के साक्षी बने। शाम करीब पांच बजे काशी राज परिवार के मुखिया अनंत नारायण सिंह की उपस्थिति में रामबाग के मुख्य द्वार के पास पहले दिन की लीला शुरू हुई।

बच्चों को अच्छे-बुरे स्पर्श के बारे में समझाया

बाराबंकी। बाराबंकी में शुक्रवार शाम 4 बजे बच्चों को लैंगिक अपराधों से बचाने और उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देने के लिए दो स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज और पायनियर इंटर कॉलेज, लखपेड़ा-बाग में आयोजित कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को POCSO एक्ट-2012 के प्रावधानों और सुरक्षित-असुरक्षित स्पर्श के बारे में बताया।

दो दिनों की झमाझम बारिश और तेज हवा ने किसानों की बढ़ाई चिंता

खेतों में बिछी धान की तैयार फसल

तमसा संकेत, संवाददाता

फसल गिरने से जहां उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है, वहीं खेतों में पानी भरा रहने के कारण धान की बालियों के सड़ने और दानों की गुणवत्ता खराब होने का खतरा भी बढ़ गया है।

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक क्षेत्र में पिछले दो दिनों से हो रही झमाझम बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। धान की फसल इस समय पककर तैयार होने के कगार पर है, लेकिन लगातार बारिश और हवा के चलते कई किसानों के खेतों में खड़ी फसल जमीन पर बिछ गई है।

क्षेत्र के किसानों सरजू, रामचंदर, रमेश, मुकेश, ज्ञानू, भारत, सुनील, अनिल समेत अन्य किसानों ने बताया कि धान की फसल को जब पानी की सबसे अधिक जरूरत थी, उस समय पर्याप्त बारिश नहीं हुई। किसानों को सिंचाई के लिए निजी साधनों का सहारा लेना पड़ा। अब जब धान की फसल तैयार होकर कटाई के करीब पहुंची है, तो पिछले दो दिनों से मौसम ने अचानक करवट ले ली। तेज हवा के साथ लगातार हो रही बारिश के कारण खेतों में खड़ी धान की फसल कई स्थानों पर पूरी तरह जमीन पर लेट गई है। किसानों का कहना है कि खड़ी फसल के गिरने के बाद उसे काटना भी मुश्किल हो जाता है। खेत में पानी और कीचड़ होने से कटाई के दौरान मजदूरों और मशीनों को परेशानी होगी। यदि बारिश का सिलसिला आगे भी जारी रहा और खेतों में पानी जमा रहा तो गिरी हुई फसल में नमी बढ़ने से बालियां खराब होने तथा दानों के सड़ने का खतरा बना रहेगा। किसानों के मुताबिक इस समय धान की फसल में उनकी कई महीनों की मेहनत और लागत लगी हुई है। खाद, बीज, सिंचाई, जुताई और मजदूरी पर खर्च करने के बाद अब फसल से आमदनी की उम्मीद थी, लेकिन बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। किसानों का कहना है कि यदि मौसम जल्द साफ नहीं हुआ तो तैयार फसल को समय पर खेत से निकालना मुश्किल हो सकता है। किसानों ने प्रशासन से बारिश से प्रभावित धान की फसलों का स्थलीय सर्वे कराकर नुकसान का आकलन कराने और नियमानुसार राहत दिलाने की मांग की है। उनका कहना है कि लगातार बारिश के कारण हुए नुकसान की वास्तविक स्थिति खेतों में पहुंचकर ही सामने आ सकती है। किसानों को अब मौसम साफ होने और खेतों से जल्द पानी निकलने का इंतजार है।

यूपीएसडीएम के पवेलियन में दिखा हुनर का संगम

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने किया 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' पोर्टल का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

नोएडा / लखनऊ। उत्तर प्रदेश की कला, कौशल और कारीगरी को वैश्विक मंच प्रदान करने वाले UP International Trade Show 2026 (UPITS) का शुक्रवार को इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में भव्य आगाज हुआ। इस वर्ष उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM) का पवेलियन पहले से कहीं अधिक व्यापक, आकर्षक और इंटरैक्टिव अंदाज में दर्शकों के सामने आया है।

UPSDM पवेलियन का उद्घाटन प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यम-शीलता विभाग कपिल देव अग्रवाल ने फीता काटकर किया। इस अवसर

पर विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम और मिशन निदेशक पुलकित खरे भी उपस्थित रहे।

पवेलियन के उद्घाटन के बाद मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने 'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' पोर्टल का शुभारंभ किया। यह पोर्टल 10 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत प्रारंभ किया गया है। इस चैलेंज के माध्यम से युवाओं, विद्यार्थियों, स्टार्टअप्स, प्रोफेशनल्स और आम नागरिकों को अपने नए आइडिया, प्रोजेक्ट और मॉडल प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर दिया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। UPSDM पवेलियन में दर्शकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण 16 विभिन्न कौशलों का लाइव प्रदर्शन रहा। यहाँ आगंतुकों ने सिर्फ हुनर देखा ही नहीं, बल्कि उसे समझा और खुद करके सीखा भी। पवेलियन में पारंपरिक कारीगरी से लेकर आधुनिक तकनीक तक के हुनर का जीवंत संगम देखने को मिला, जिसने सभी का मन मोह लिया। इस वर्ष UPSDM पवेलियन में पहली बार 'स्किल मंच' की शुरुआत की गई, जो युवाओं की प्रतिभा को मंच देने की एक अनूठी पहल है।

होली तक नया स्वरूप लेगा अष्टखम्भा स्तूप, यात्री निवास का फाउंडेशन पूरा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। लोरपुर स्थित महाराजा सुहेलदेव राजभरवंशी अष्टखम्भा स्तूप के पर्यटन विकास का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। पर्यटन विभाग की 104.64 लाख रुपये की परियोजना के तहत परिसर में यात्री सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। परियोजना को होली तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

परियोजना के तहत बनाए जा रहे यात्री निवास के फाउंडेशन का काम पूरा हो चुका है। अब प्लिंथ बीम का निर्माण चल रहा है। इसके बाद भवन के अगले चरण का काम शुरू होगा। निर्माण कार्य सीएंडडीएस की निगरानी में कराया जा रहा है।

- **104.64 लाख रुपये की परियोजना से लोरपुर स्थित ऐतिहासिक स्थल का हो रहा विकास, प्लिंथ बीम का काम जारी**

यात्री निवास बनने के बाद परिसर में बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के ठहरने की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे अष्टखम्भा स्तूप परिसर में आवश्यक यात्री सुविधाओं का विस्तार होगा। परियोजना प्रबंधक देवव्रत पवार के अनुसार निर्माण कार्य निर्धारित योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है।

डीएलसीसी-डीएलआरसी की बैठक में बैंकों को ऋण वितरण बढ़ाने के निर्देश

जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने वार्षिक ऋण योजना की प्रगति की समीक्षा की

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (DLCC) और जिला स्तरीय समीक्षा समिति (DLRC) की संयुक्त बैठक जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में वार्षिक ऋण योजना के तहत निर्धारित लक्ष्यों के मुकाबले हुई प्रगति की समीक्षा की गई। विभिन्न सरकारी योजनाओं में ऋण वितरण की स्थिति भी देखी गई।

सीडी रेशियो में सुधार के निर्देश

बैठक में बैंकों के ऋण-जमा अनुपात (CD Ratio) की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्धारित मानक से कम सीडी रेशियो वाले बैंकों को इसमें सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने ऋण वितरण में तेजी लाने और आवंटित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने को

कहा। बैठक में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (CM Yuva), एक जनपद एक उत्पाद (ODOP), मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना (MYSY), प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना (PM SVANidhi) और किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) समेत अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हुई।

जिलाधिकारी ने कहा कि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय से मिलना चाहिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय बनाने के निर्देश दिए। लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने को भी कहा।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी वैभव मिश्रा समेत संबंधित विभागों के अधिकारी और विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक व प्रतिनिधि मौजूद रहे। भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि अशोक कुमार, जिला कृषि अधिकारी अरविंद चौधरी और उप आयुक्त उद्योग सहित अन्य अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

पॉक्सो अधिनियम पर विद्यार्थियों के लिए प्रदेशव्यापी विशेष जागरूकता अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो अधिनियम) के संबंध में विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से राज्य स्तर पर विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम के विधिक प्रावधानों, उनके अधिकारों एवं दायित्वों तथा उल्लंघन के कानूनी परिणामों के प्रति जागरूक करना है।

यह अभियान सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष माननीय न्यायमूर्ति श्री विक्रम नाथ के नेतृत्व तथा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक माननीय न्यायमूर्ति श्री अरुण भंसाली और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष माननीय न्यायमूर्ति श्री अरिंदम सिन्हा के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों, विशेष रूप से किशोर बालकों एवं युवा पुरुषों को यह समझाने पर जोर दिया जा रहा है कि कानून के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु के प्रत्येक व्यक्ति को बच्चा माना जाता है तथा ऐसे मामलों में बच्चे की सहमति को कानूनी मान्यता प्राप्त नहीं है। सहमति, स्नेह, मित्रता अथवा विवाह की इच्छा से संबंधित भ्रांतियों को दूर करना और 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के साथ यौन संबंधों के कानूनी परिणामों के प्रति युवाओं को संवेदनशील बनाना अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति श्री अरुण भंसाली ने अपने संदेश में कहा कि कई युवा इस बात से अनजान रहते हैं कि कानून 18 वर्ष से कम आयु के प्रत्येक व्यक्ति को विशेष सुरक्षा प्रदान करता है। बच्चों से जुड़े ऐसे कृत्य, जिन्हें बच्चे सहमति से किया गया अथवा मामूली समझ सकते हैं, गंभीर कानूनी परिणामों का कारण बन सकते हैं।

पुरानी पंचायतों के अनुभवों से नई महिला लीडरों ने सीखे नेतृत्व के गुर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जलालपुर ब्लॉक में जनशिक्षण केंद्र द्वारा संचालित ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के अंतर्गत पुरानी ग्राम पंचायत भस्मा में नई छह ग्राम पंचायतों से आईं महिला अगुआ लीडरों का एक्सपोजर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नई पंचायतों की महिला लीडरों को पुरानी पंचायतों के अनुभवों, संघर्षों और सफल प्रयासों से जोड़कर उनके नेतृत्व कौशल को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत परिचय एवं प्रेरणा गीत "संगठनवा बनावा दीदी, लड़ई का परी" से हुई। इसके बाद कार्यक्रम समन्वयक हेमलता ने जनशिक्षण केंद्र के विजन, मिशन एवं संस्था द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि जनशिक्षण केंद्र द्वारा वर्तमान में 12 ग्राम पंचायतों में ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। हेमलता ने कहा,

"महिला सशक्तिकरण केवल महिलाओं को योजनाओं की जानकारी देने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें अपने अधिकारों, स्थानीय शासन और समुदाय के मुद्दों पर आवाज उठाने के लिए सक्षम बनाना भी जरूरी है। हमारा प्रयास है कि महिलाएं संगठन के माध्यम से अपने गांव के मुद्दों को पहचानें, संबंधित मंचों पर उनकी पैरवी करें और समाधान की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएं।" एक्सपोजर कार्यक्रम में पुरानी ग्राम पंचायतों की महिला लीडरों ने समुदाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर किए गए प्रयासों, संबंधित विभागों एवं जनप्रतिनिधियों के समक्ष की गई पैरवी, उपलब्धियों के साथ-साथ चुनौतियों और असफलताओं के अनुभव भी साझा किए।

हादसा : नगपुर त्रिमुहानी के पास विद्युत तारों की सफाई के दौरान हुआ हादसा

तारों पर लटकी झाड़ियों की सफाई बनी जानलेवा

दुर्घटना

- करंट से संविदा कर्मी की मौत
- निजी अस्पताल के बाद सीएचसी ले गए
- कर्मचारी चिकित्सकों ने मृत घोषित किया

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विद्युत तारों पर लटकी झाड़ियों और डालियों की सफाई के दौरान शुक्रवार दोपहर संविदा कर्मी करंट की चपेट में आ गया। हादसा जलालपुर-रामगढ़ मार्ग पर नगपुर त्रिमुहानी के पास हुआ।

दोपहर में सफाई के दौरान अचानक लगा करंट

सम्मनपुर थाना क्षेत्र के ताजूपुर पिड़ैला गांव निवासी विपिन मौर्य (25) विद्युत विभाग में संविदा कर्मी था। शुक्रवार करीब 2:20 बजे वह नगपुर त्रिमुहानी के पास विद्युत तारों पर लटकी झाड़ियों और डालियों की सफाई कर रहा था।

इसी दौरान अचानक वह करंट की चपेट में आ गया। वह गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद विभागीय कर्मचारियों ने उसे तत्काल नगपुर के निजी अस्पताल पहुंचाया।

गंभीर रूप से झुलसे कर्मी को विभागीय कर्मचारी अस्पताल लेकर पहुंचे। सीएचसी में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

> निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने विपिन को नगपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफर कर दिया। कर्मचारी उसे लेकर सीएचसी पहुंचे। जांच के बाद चिकित्सकों ने विपिन को मृत घोषित कर दिया।

विपिन छह भाइयों में चौथे नंबर का था। वह अविवाहित था। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन अस्पताल पहुंच गए।

हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। जलालपुर कोतवाल अजय प्रताप यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस मामले में अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

द्वितीया श्राद्ध के दिन सामूहिक विवाह की तैयारी, तारीख पर उठे सवाल

धर्माचार्यों ने तिथि पर पुनर्विचार की मांग की

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 28 सितंबर को प्रस्तावित आयोजन की तारीख को लेकर जिले में धार्मिक स्तर पर सवाल उठने लगे हैं। पंचांग के अनुसार 27 सितंबर से पितृपक्ष शुरू हो रहा है। 28 सितंबर को द्वितीया श्राद्ध है। इसी दिन जिले की पांचों तहसीलों और नौ विकासखंडों में सामूहिक विवाह प्रस्तावित है।

विवाह जैसे मांगलिक संस्कार की तिथि पितृपक्ष के दौरान तय होने को लेकर धर्माचार्यों और बुद्धिजीवी वर्ग ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि आयोजन की तारीख तय करते समय पंचांग की स्थिति पर भी विचार किया जाना चाहिए।

पंचांग के अनुसार 27 सितंबर से पितृपक्ष आरंभ होगा। 28 सितंबर को द्वितीया श्राद्ध रहेगा। यह पितृपक्ष की दूसरी श्राद्ध तिथि है। पितृपक्ष का समापन 10 अक्टूबर को सर्वपितृ

अमावस्या के साथ होगा। धर्माचार्यों के अनुसार पितृपक्ष में पितरों के तर्पण और श्राद्ध कर्म की परंपरा है। इस अवधि में विवाह समेत अन्य मांगलिक कार्य सामान्य तौर पर नहीं किए जाते। इसी धार्मिक मान्यता के आधार पर 28 सितंबर को प्रस्तावित सामूहिक विवाह पर सवाल उठाए जा रहे हैं। धर्माचार्यों का कहना है कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना सरकारी व्यवस्था के तहत संचालित होती है, लेकिन इसमें होने वाला विवाह हिंदू परंपरा के अनुसार एक संस्कार भी है। ऐसे में इसकी तारीख तय करते समय प्रशासनिक कार्यक्रम के साथ पंचांग का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

जौनपुर में दिल के पास तमंचा सटाकर फायर किया, बुलेट पीठ चीरते हुए सीट में घुसी

बैंक मैनेजर ने चलती कार में गोली मारी, मौत

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

जौनपुर। जौनपुर में यूनियन बैंक के मैनेजर ने गुरुवार देर रात सुसाइड कर लिया। उन्होंने चलती कार में दिल के पास तमंचा सटाया और गोली मार ली। बुलेट पीठ को चीरते हुए सीट में जा धंसी। गोली लगने के बाद टाटा सिएरा कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। राहगीर-आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। कार का शीशा तोड़कर मैनेजर को बाहर निकाला। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। पुलिस को कार से सुसाइड नोट मिला है। इसमें लिखा है कि वह तंग आ चुके हैं। इसलिए जिंदगी खत्म कर रहे हैं। खुदकुशी से परिवार का कोई लेना-देना नहीं है। पत्नी के लिए लिखा है कि "तुम अपना ख्याल रखना।" 40 साल के दुर्गेश श्रीवास्तव मूल रूप से लखनऊ के गुडंबा के रहने वाले थे। जौनपुर शहर के वन विहार इलाके में पत्नी रचना के साथ रहते थे। उनकी तैनाती शहर से 30 किमी दूर सुजानगंज थाना क्षेत्र की सराय पड़री ब्रांच में थी। घटना जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर बक्शा थाना क्षेत्र के प्रभु ढाबा के पास हुई। पत्नी रचना ने बताया- वह डिप्रेशन में थे। परिवार में किसी तरह का कोई विवाद नहीं था। न ही कभी कोई झगड़ा हुआ था। इस पर दुर्गेश ने धीमी आवाज में कहा- ठीक है और फोन काट दिया। मैं उनका इंतजार करती रही। रात 11 बजे तक उनके दोस्तों को फोन करती रही। लेकिन, किसी को कोई जानकारी नहीं थी। फिर देर रात पुलिस का फोन आया और उन्होंने दुर्गेश की मौत की खबर दी। मैं अपने परिजनों के साथ अस्पताल पहुंची। ढाबे पर काम करने वाले लोगों ने बताया- हम लोग काम कर रहे थे, तभी एक कार हाईवे के डिवाइडर से टकरा गई। हमें लगा एक्सीडेंट हुआ है। दौड़कर मौके पर पहुंचे और शीशा तोड़ा तो कार में बैठा शख्स खून से लथपथ पड़ा हुआ था। उसे गोली लगी हुई थी। शव के बगल में तमंचा पड़ा हुआ था।

दुर्गेश, मृतक

पत्नी बोली- शुगर और लिवर सिरोसिस की बीमारी थी

पत्नी रचना श्रीवास्तव ने बताया कि दुर्गेश को शुगर और लिवर सिरोसिस की बीमारी थी। वह काफी दिनों से डिप्रेशन में थे, लेकिन उन्होंने कभी भी अपनी परेशानी परिवार से साझा नहीं की। रोज की तरह गुरुवार सुबह 9 बजे अपनी कार से बैंक रवाना हुए थे। लंच के वक्त मैंने फोन किया तो सब कुछ ठीक लग रहा था। उन्होंने बताया- वह रोज शाम 6.30 बजे तक घर आ जाते थे। देर होने पर फोन करते थे। लेकिन, गुरुवार को कोई फोन नहीं आया तो मैंने फोन किया। तब उन्होंने कहा- मैं डिप्रेशन में हूं। अगर तुम्हें बताऊंगा तो तुम भी परेशान हो जाओगी। मैंने कहा- आप जल्दी घर आ जाओ। परेशान मत हो। हम बैठकर बात करेंगे।

इसी कार में बैंक मैनेजर ने खुद को गोली मार ली।

> एएसपी आतिश कुमार सिंह ने बताया- घटना की सूचना के बाद पुलिस पहुंची। मैनेजर को जिला अस्पताल भिजवाया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। फॉरेंसिक टीम ने कार की जांच करके सबूत जुटाए हैं। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

शराब के नशे में महिला से दुष्कर्म के बाद हत्या

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में महिला के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी महिला के साथ शराब पी रहे थे। इसी दौरान विवाद के बाद उन्होंने महिला के साथ दुष्कर्म किया और विरोध करने पर उसकी पिटाई कर दी। गंभीर चोट लगने से महिला की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी शव को घर के पीछे अंधेरे स्थान पर छोड़कर फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार, 24 सितंबर को मृतका के बेटे ने नामजद आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी थी। इसके आधार पर मोहनलालगंज थाने में मुकदमा अपराध संख्या 354/2026, धारा 70(1), 103(1), 238(ए) और 3(5) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई।

पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से पदमिनखेड़ा मजरा हुलासखेड़ा निवासी राजेश उर्फ गुड्डू (30) और हरिराम रावत (34) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि शराब पीने के दौरान महिला से विवाद हुआ था। इसके बाद उन्होंने उसके साथ गलत काम किया। महिला के चिल्लाने पर उसकी पिटाई की, जिससे वह लोहे की चारपाई के पाये पर गिर गई और उसकी मौत हो गई। इसके बाद दोनों ने शव को घर के पीछे अंधेरे में डाल दिया।

फास्ट न्यूज

ताजमहल में आतंकी हमले की मॉकड्रिल

आगरा। आगरा में ताजमहल की सुरक्षा व्यवस्था परखने के लिए शुक्रवार सुबह मॉक ड्रिल की गई। इसमें आतंकियों के ताजमहल के रिवर साइड क्षेत्र में घुसने और फायरिंग करने का अभ्यास किया गया।

ड्रिल के दौरान दो आतंकियों के घुसने की सूचना दी गई। दोनों ने अंधाधुंध फायरिंग की। इसमें एक जवान के घायल होने का भी अभ्यास किया गया।

मेयर बोलीं- आप आईएएस हैं, कहें तो पैर छू लूं

कानपुर। कानपुर की मेयर प्रमिला पांडेय नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय पर भड़क गईं। बोलीं- आप IAS अफसर हैं। कहें तो आपके पैर छू लूं, बस सड़क सही करवा दीजिए। उन्होंने कहा- हमारे क्षेत्र के लोगों ने हमें 2 लाख वोटों से जिताकर भेजा है। सड़कें खराब होने से उन्हें परेशानी होगी। इसकी वजह से जनप्रतिनिधियों को गालियां खानी पड़ती हैं। अगर हम लोग गालियां खाएंगे तो आप भी खाने के लिए तैयार रहें। महापौर ने सवाल उठाया कि बजट में पैसे की कोई कमी नहीं होने के बावजूद एक साल में सड़कों का निर्माण क्यों नहीं हो सका।

गणेश विसर्जन यात्रा में बमबाजी करने वाले 4 आरोपी अरेस्ट

कानपुर। गुजैनी पुलिस ने फत्तेपुर गांव में गुरुवार को गणेश विसर्जन यात्रा पर हुए हमले में जुड़वा भाइयों समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में हनुमंत विहार के गल्ला मंडी निवासी शोभित सिंह, अर्रा गांव निवासी राहुल भदौरिया और फत्तेपुर दक्षिण निवासी जुड़वा भाई धनराज सिंह भदौरिया व जुगराज सिंह भदौरिया शामिल हैं।

'स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना' रहा कार्यक्रम का विषय

एमआईटी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के फार्मेसी विभाग की ओर से विश्व फार्मासिस्ट दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का विषय 'स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना' रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर निदेशक डॉ. केएलए खान, प्राचार्य (फार्मेसी) डॉ. नीरज कांत शर्मा, प्राचार्य (पीसी कोर्सेज) डॉ. हिमांशु शर्मा, डीन डॉ. गौरव शर्मा सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

प्राचार्य डॉ. हिमांशु शर्मा ने फार्मेसी को निरंतर विकसित हो रहे पेशे के रूप में बताते हुए विद्यार्थियों को कौशल विकास, व्यावसायिक दक्षता और फार्मास्युटिकल क्षेत्र में हो रहे नवीनतम बदलावों की जानकारी हासिल करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, डीन डॉ. गौरव शर्मा ने फार्मेसी शिक्षा के शैक्षणिक एवं व्यावहारिक पक्षों पर जोर देते हुए वंचित और जरूरतमंद वर्ग तक सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पोस्टर मेकिंग, रंगोली और स्लोगन लेखन प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। छात्र-छात्राओं की ओर से लगाए गए खान-पान एवं गेम स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श लेने और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवा सेवन यानी स्व-चिकित्सा से बचने का संदेश दिया गया।

समापन अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद प्राचार्य (फार्मेसी) डॉ. नीरज कांत शर्मा ने शिक्षक, स्टाफ और विद्यार्थियों को फार्मासिस्ट शपथ दिलाई। कार्यक्रम ने स्वास्थ्य सेवाओं, रोगी कल्याण और स्वस्थ समाज के निर्माण में फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका का संदेश दिया।

> निदेशक डॉ. केएलए खान ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में फार्मासिस्टों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने वैश्विक फार्मास्युटिकल क्षेत्र में भारत के योगदान का उल्लेख करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने में फार्मासिस्टों की जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला।

युवक की गर्दन टीनशीट से कटकर लटकी, मौत

खून का फव्वारा निकला, भाई ने गमछे से बांधा 8 दिन पहले बना था पिता

तमसा संकेत, एजेंसी

बदायूं। बदायूं में बाइक से जा रहे एक युवक की गर्दन टीनशीट (टीन की चादर) से कटने से मौत हो गई। युवक की गर्दन कटकर लटक गई और खून का फव्वारा बहने लगा। बाइक के पीछे बैठे भाई ने लटक रही गर्दन को पकड़कर गमछे से बांधा और खून रोकने की कोशिश की। वह उसे तत्काल अस्पताल ले गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

घटना गुरुवार रात करीब 9 बजे जिला मुख्यालय से 57 किलोमीटर दूर इस्लामनगर थाना क्षेत्र के जाफरपुर गांव के पास हुई। मृतक की पहचान जाफरपुर गांव के अंकुश सिंह (24) के रूप में हुई है। अंकुश अपने भाई राकेश और पड़ोसी दिलीप के साथ बाइक से फैक्ट्री जा रहा था। रास्ते में मजदूर पिकअप से टीनशीट उतार रहे थे। इसी दौरान मजदूरों के हाथ से टीन छूटकर घूम गई और पास से गुजर रहे बाइक सवार तीनों युवकों पर जा गिरी।

अंकुश मृतक

इस्लामनगर थाना क्षेत्र के जाफरपुर गांव निवासी अंकुश सिंह (24) पांच भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर था। उसके पिता का नाम प्रेम सिंह है। अंकुश संभल जिले के चंदौसी की एक फैक्ट्री में नाइट शिफ्ट की ड्यूटी करने जा रहा था। बाइक पर उसके साथ चचेरा भाई राकेश पुत्र चंद्रभान और पड़ोसी दिलीप पुत्र राम भरोसे भी थे। गुरुवार रात करीब 9 बजे जाफरपुर गांव के पास पूर्व प्रधान के घर के सामने सड़क पर कुछ मजदूर पिकअप से टीन की शीट्स उतार रहे थे। इसी दौरान मजदूरों के हाथ से टीन शीट अचानक छूट गई। टीन सड़क पर घूमते हुए विपरीत दिशा में मुड़ गई और इसी दौरान वहां से गुजर रही बाइक उसकी चपेट में आ गई। बाइक अंकुश चला रहा था। धारदार टीन उसकी गर्दन पर लगी, जिससे उसकी गर्दन का बड़ा हिस्सा कट गया।

गणेश विसर्जन में 4 सेकेंड में मारे 3 बम कानपुर में लाठी-डंडे से भक्तों को पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में गणेश विसर्जन यात्रा पर हमलावरों ने 4 सेकेंड में 3 बम फोड़े। इसके बाद 2-3 राउंड फायरिंग की। धुआं फैलते ही यात्रा में भगदड़ मच गई। कुछ भक्त सड़क पर गिर गए। इसी दौरान करीब 15-20 हमलावरों ने उन्हें घेरकर लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया। बाइकों में भी तोड़फोड़ की।

महिलाओं और बच्चों ने हमलावरों से बचने के लिए खेतों में कूदकर जान बचाई। इस दौरान कई बच्चों के पैरों में कांटे घुस गए। महिला समेत 4 लोग घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजकर जांच शुरू की। घटना गुजैनी थाना क्षेत्र के फत्तेपुर गांव की है। वारदात का वीडियो भी सामने आया है।

हनुमंत विहार की गल्ला मंडी केडीए कॉलोनी निवासी अर्पित शुक्ला ने घर में गणेश प्रतिमा स्थापित की थी। अर्पित ने बताया- गुरुवार शाम करीब 5 बजे मैं अपने दोस्त अंश शर्मा उर्फ सुदामा और अन्य लोगों के साथ बाइक से गणेश प्रतिमा विसर्जित करने सेन पश्चिम थाना क्षेत्र की नहर की ओर जा रहा था। यात्रा फत्तेपुर गांव के पास पहुंची तो मोहल्ले का ही, राहुल भदौरिया, शोभित सिंह राणा अपने साथियों के साथ वहां मौजूद था। उसने सबसे आगे चल रहे प्रतिमा वाले ट्रैक्टर को रुकवा लिया। इसके बाद करीब दो दर्जन लोगों ने यात्रा को घेर लिया।

बम फोड़ने से मची भगदड़

46 सेकेंड के वीडियो में गणेश विसर्जन यात्रा आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। आगे और पीछे बाइक सवार भक्त चल रहे हैं। बीच में पिकअप पर डीजे लगा हुआ है। भक्त गाने पर नाचते हुए आगे बढ़ रहे हैं, जबकि कुछ युवक मोबाइल से वीडियो बना रहे हैं। इसी दौरान डीजे के आगे बम फूटने से चारों तरफ धुआं फैल गया। इससे यात्रा में भगदड़ मच गई।

ऑपरेशन प्रहार के तहत बलदेव पुलिस, स्वॉट और एसओजी की संयुक्त कार्रवाई

गोदाम में छिपाकर रखा था 85 किलो गांजा, पांच गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत बलदेव पुलिस, स्वॉट और एसओजी की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 85 किलो 260 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया। पुलिस ने मौके से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त स्विफ्ट कार, स्कूटी, पांच हजार रुपये नकद और छह मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार 24 सितंबर की शाम करीब छह बजे टीम ने कटारा मैरिज होम के पास दाऊजी स्पेयर पार्ट्स के मालिक के गोदाम पर कार्रवाई की। तलाशी के दौरान तीन कट्टों में 56 किलो 250 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इसके अलावा तस्करी में प्रयुक्त स्विफ्ट कार की डिग्गी से एक कट्टे में 24 किलो 870 ग्राम तथा टीवीएस जुपिटर स्कूटी से दो पैकेट में 4 किलो 140 ग्राम गांजा मिला। कुल बरामदगी 85 किलो 260 ग्राम बताई गई है।

पुलिस ने मौके से गांजे के अलावा मारुति स्विफ्ट कार संख्या यूपी 85 डीए 7243, टीवीएस जुपिटर 125 सीसी स्कूटी संख्या यूपी 85 डीबी 7096, पांच हजार रुपये नकद और छह टच स्क्रीन मोबाइल फोन बरामद किए। बरामद मोबाइल में तीन वीवो, एक आईफोन-12, एक मोटोरोला और एक आईक्यूओओ मोबाइल शामिल हैं। पुलिस के अनुसार गजेंद्र के खिलाफ वर्ष 2020 में थाना मगोर्रा में मारपीट, गाली-गलौज और धमकी का मुकदमा दर्ज है। वहीं चंद्रवीर के खिलाफ वर्ष 2025 में थाना हाईवे में बीएनएस की धारा 316(2) के तहत मुकदमा दर्ज बताया गया है। अन्य आरोपियों का आपराधिक इतिहास पुलिस ने इसी मामले के मुकदमे के रूप में दर्शाया है। बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर थाना बलदेव में एन डीपी एस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी अभय कुमार शर्मा, वरिष्ठ उपनिरीक्षक सुबोध कुमार भारद्वाज, स्वॉट प्रभारी उपनिरीक्षक महावीर सिंह, एसओजी प्रभारी उपनिरीक्षक संदीप चौधरी समेत थाना बलदेव, स्वॉट और एसओजी की टीम शामिल रही।

> गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विष्णु पुत्र सुरेश चंद्र निवासी शैलखेड़ा थाना बलदेव, विष्णु कुमार पुत्र मोहन सिंह और गजेंद्र पुत्र राजवीर सिंह निवासी पालीखेड़ा थाना हाईवे, चंद्रवीर पुत्र हरवीर सिंह निवासी एटीवी सुशांत लोक तथा सोना पुत्र जन्नो निवासी नगला जंट थाना हाईवे के रूप में हुई है। आरोपियों की उम्र 26 से 34 वर्ष के बीच है।

पृष्ठ 01 का शेष...

सपा की गुंडागर्दी....

कट्टा-तमंचा का कुटीर उद्योग लगता था। कट्टा उद्योग की जगह आज डिफेंस कॉरिडोर बना है। अमेठी में बनी राइफल नक्सलवादियों और आतंकियों की नींद उड़ा चुकी है। शाह सुबह साढ़े 11 बजे ट्रेड शो में पहुंचे। सीएम योगी पहले से ही वहां मौजूद थे। दोनों नेताओं ने एक साथ इलेक्ट्रिक गाड़ी (गोल्फ कार्ट) में बैठकर ट्रेड शो देखा। स्टॉल पर प्रोडक्ट्स की जानकारी ली। मंच पर दोनों नेता काफी देर तक बातचीत करते रहे। योगी ने गृहमंत्री को राधा-कृष्ण की मूर्ति भेंट की।

बोले- पहले यूपी में....

तब किसी ने नहीं सोचा था कि आने वाले समय में नोएडा, काशी और झांसी जैसे शहरों में भी ऐसी कॉन्फ्रेंस हो सकेंगी। अमित शाह ने कहा- यह कार्यक्रम मणि-कंचन योग जैसा है।

उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा...

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है और यहां करीब 25 करोड़ की आबादी निवास करती है। प्रदेश में भारत का डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर स्थापित हो रहा है। रूस की कंपनियां पहले से ही उत्तर प्रदेश में अपनी इकाइयां स्थापित कर रही हैं। लखनऊ नोड में ब्रह्मोस की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कानपुर में भी रूसी डिफेंस कंपनियों को अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि रूस की एके-203 राइफल का निर्माण भी उत्तर प्रदेश में हो रहा है।

बाढ़ का खतरा...

ग्रामीण इलाकों में तेज हवाओं से फसलें गिर गई हैं। खेतों में पानी भर गया है। सीएम योगी ने अफसरों को फील्ड में उतरने का निर्देश दिया है। इधर, ललितपुर में लगातार हो रही बारिश से जामनी नदी उफान पर है। कुझान घाट के पास पुल डूब जाने से पानी के तेज बहाव में एक पेट्रोल टैंकर फंस गया। बहकर नदी के किनारे लटक गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से टैंकर को सुरक्षित बाहर निकाला।
मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी से उठे इस चक्रवाती तूफान की वजह से यूपी, बिहार, एमपी और आसपास के राज्यों में मौसमी गतिविधियां तेज हुई हैं। इसका असर 27 सितंबर तक रहेगा।

ज्ञानेश कुमार के इस्ती...

इनमें SIR की संवैधानिक वैधता, प्रक्रिया और लागू करने के तरीके पर सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि 2 चुनाव आयुक्तों की आपत्ति के बावजूद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने SIR से जुड़े 14 आदेश जारी किए। इन आदेशों को रद्द करने और दर्ज आपत्तियों को सार्वजनिक करने की मांग की गई है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर हंगामा हुआ। कांग्रेस विधायक पोस्टर लेकर पहुंचे। इन पर लिखा था कि ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश में दो कार्यक्रम स्थगित कर दिए हैं। इनमें CEC ज्ञानेश कुमार शामिल होने वाले थे। पहला कार्यक्रम मेरठ में 25 सितंबर को और दूसरा वाराणसी में 28 सितंबर को था। चुनाव आयोग ने कहा कि दोनों कार्यक्रम 21 सितंबर को ही स्थगित किए गए थे और इसका मौजूदा विवाद से कोई संबंध नहीं है।

कागजों में जांच...

शिकायतकर्ता के अनुसार गाटा संख्या 364ख एवं पुश्तैनी आबादी से संबंधित मामले में उन्होंने जनसुनवाई व्यवस्था के माध्यम से तथा डाक के जरिए मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र भेजकर न्याय की मांग की थी। शिकायतकर्ता के अनुसार मुख्यमंत्री सचिवालय स्तर से मामले में जिलाधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया। इसके बाद लेखपाल सनाउल हक द्वारा 17 जून को कार्रवाई किए जाने और 19 जून को रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने की बात सामने आई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उनसे मौके पर समुचित मुलाकात किए बिना ही रिपोर्ट में 'प्रार्थिनी संतुष्ट है' लिख दिया गया।
इसी रिपोर्ट के आधार पर बेवाना थाने के उपनिरीक्षक रमाशंकर सरोज द्वारा 25 जुलाई को रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने की बात शिकायतकर्ता ने कही है। रिपोर्ट में कथित तौर पर लिखा गया— "शिकायतकर्ता की जमीन जहां भी हो, पैमाइश करा कर ले लें।"
शिकायतकर्ता का कहना है कि उसके प्रार्थना पत्र में केवल जमीन का विवाद नहीं था, बल्कि मकान में रखे सामान एवं अन्य तथ्यों का भी उल्लेख किया गया था। आरोप है कि जांच रिपोर्ट में उन बिंदुओं पर स्पष्ट निष्कर्ष नहीं दिया गया। अब सवाल यह है कि रिपोर्ट में लिखे गए ये शब्द विपक्षी के कथन थे, जांच अधिकारी की टिप्पणी थी या मौके की जांच के बाद निकला निष्कर्ष?
और सबसे बड़ा सवाल— क्या मौके पर वास्तव में स्थलीय निरीक्षण हुआ था? यदि हुआ था तो उसकी स्पष्ट जानकारी रिपोर्ट में क्यों नहीं है? यदि नहीं हुआ था तो मौके की स्थिति जाने बिना निष्कर्ष कैसे निकाला गया? शिकायतकर्ता के अनुसार 25 अगस्त को क्षेत्राधिकारी अकबरपुर नितीश कुमार तिवारी को व्यक्तिगत रूप से लिखित रिमाइंडर दो प्रतियों में दिया गया था।
शिकायतकर्ता का आरोप है कि रिमाइंडर पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। अब शिकायतकर्ता की मांग है कि पूरे रिकॉर्ड की जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि शिकायत पर किस अधिकारी ने कब, कहां और किससे संपर्क किया तथा रिपोर्ट किस आधार पर तैयार की गई। इसी बीच बरियावन बाजार प्रकरण ने प्रशासनिक और पुलिस निगरानी पर बहस को और तेज कर दिया। आरोप है कि रात के समय तीन जेसीबी के जरिए मकान-दुकानों को गिराया गया। प्रकरण में पुलिस द्वारा आठ आरोपियों की गिरफ्तारी तथा तीन जेसीबी बरामद किए जाने की कार्रवाई की जानकारी सामने आई है।
इस घटनाक्रम के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि शिकायतों और विवादों पर शुरुआती स्तर पर ही गंभीरता से स्थलीय जांच और निगरानी हो तो क्या विवाद इस स्तर तक पहुंचने से रोके जा सकते हैं?
इन मामलों में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच का विषय है। लेकिन एक बात साफ है—रिपोर्टों में लिखे तथ्यों और जमीन पर वास्तविक कार्रवाई के बीच अंतर है या नहीं, इसकी जांच जरूरी है।
शिकायतकर्ताओं ने जिलाधिकारी अम्बेडकरनगर से मांग की है कि— संबंधित शिकायतों की मूल रिपोर्टों और बाद की रिपोर्टों का मिलान कराया जाए। कथित स्थलीय निरीक्षण की तारीख और स्थान की जांच की जाए। शिकायतकर्ता से संपर्क/वार्ता के दावे की पुष्टि की जाए। फीडबैक के बाद दोबारा लगाई गई रिपोर्ट की जांच की जाए।
'स्पेशल क्लोज' किए जाने की प्रक्रिया की समीक्षा की जाए। आरोप सही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की जाए। क्योंकि सवाल सिर्फ एक शिकायत का नहीं है—सवाल यह है कि सरकारी व्यवस्था में 'निस्तारण' का मतलब समस्या का समाधान है या सिर्फ फाइल का बंद होना?

अब बाजार में खुलेगी...

गुरुवार को आठ और आरोपितों की गिरफ्तारी के साथ तीन जेसीबी सीज किए जाने की जानकारी सामने आई। मामले में पहले भी गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।
घटना के बाद बरियावन की पुलिस व्यवस्था भी जांच के दायरे में आई। अकबरपुर के प्रभारी निरीक्षक समेत पुलिसकर्मियों पर निलंबन की कार्रवाई हुई। सीओ सिटी को भी पुलिस कार्यालय से संबद्ध किया गया।
बरियावन में पहले से एक अस्थायी पुलिस चौकी थी। रिपोर्ट के अनुसार, यह चौकी लंबे समय से बदहाल स्थिति में थी और करीब एक दशक से वहां पुलिसकर्मियों की नियमित तैनाती नहीं थी। क्षेत्र की सुरक्षा मुख्य रूप से पुलिस गश्त पर निर्भर थी।
अब नई चौकी स्थापित होने से इस व्यवस्था में बदलाव की तैयारी है। बाजार में पुलिस की सीधी मौजूदगी और स्थानीय स्तर पर शिकायतों पर कार्रवाई की व्यवस्था मजबूत होगी। इसी बीच चौकी स्थापित करने की पहल को पुलिस व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में अगला कदम माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनपद में पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

शुक्रवार को एसपी ने...

पुलिस के अनुसार, चौकी पर प्रभारी के साथ पर्याप्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। इसके बाद बाजार और आसपास के क्षेत्र में पुलिस की नियमित मौजूदगी बढ़ाने की व्यवस्था होगी।

सुरुचि और कमलजीत शूटिंग में सोना जीता, सात्विक-चिराग बैडमिंटन में हारे

एशियन गेम्स में भारत को दूसरा गोल्ड

झटका

नागोया (जापान), एजेंसी

एशियन गेम्स में शुक्रवार को बैडमिंटन से भारत के गोल्ड मेडल की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। सात्विक साईराज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी मेंस डबल्स के पहले राउंड से हारकर बाहर हो गई है। इस जोड़ी ने पिछले एशियन गेम्स में गोल्ड दिलाया था।

इससे पहले छठे दिन शूटर्स ने भारत को 2 मिनट के अंदर 2 मेडल दिलाए। सुरुचि और कमलजीत की जोड़ी ने सुबह 9 बजे 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड इवेंट में गोल्ड जीता। फिर 9:02 बजे 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन इवेंट में भारतीय को सिल्वर मिला।

भारत की पुरुष और महिला कबड्डी टीम फाइनल में पहुंच गई हैं। स्क्वॉश और टेबल टेनिस जैसे खेलों में भी पदक पक्के हुए हैं। इन मेडल्स के सहारे भारत मेडल टैली में 12वें स्थान आ गया है। उसने 2 गोल्ड सहित 19 मेडल जीते हैं।

जापान के नागोया में चल रहे गेम्स में भारत को दूसरा गोल्ड मिला है। इससे पहले महिला क्रिकेट टीम ने गेम्स का पहला गोल्ड मेडल दिलाया था। यह मौजूदा एशियन गेम्स में शूटिंग का पहला गोल्ड है।

> कमलजीत हरियाणा के रेवाड़ी के सुलखा गांव के हैं। कमलजीत एथलेटिक्स में हिस्सा लेते थे। लेकिन, वे 2019 में चोट के कारण उन्हें एथलेटिक्स छोड़ना पड़ा। ऐसे में उन्होंने शूटिंग में करियर बनाया।

एथलेटिक्सः मनप्रीत कौर ने जीता ब्रॉन्ज, शॉटपुट में 17.17 मीटर का थ्रो

भारत की मनप्रीत कौर ने विमेंस शॉटपुट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने चौथे प्रयास में 17.17 मीटर का थ्रो कर पोडियम पर जगह पक्की की। भारत की कृष्णा मेनन 16.57 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। चीन की सॉन्ग ने 19.40 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड और झांग ने 18.14 मीटर के साथ सिल्वर मेडल जीता।

भारतीय जोड़ी साउथ कोरिया से 6.6 मीटर आगे रही

10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम फाइनल में सुरुचि और कमलजीत की भारतीय जोड़ी साउथ कोरिया से 6.6 अंक आगे रही।

इंडिया ने 484.6 अंक हासिल किए। जबकि, साउथ कोरिया को 478.0 अंक मिले। ईरान ने 415.8 अंक के साथ ब्रॉन्ज जीता।

स्ट्रगल के दौरान कमलजीत के मन में कई बार शूटिंग छोड़ने का विचार आया, लेकिन माता-पिता ने लगातार उनका साथ दिया। 2-3 साल की मेहनत के बाद उन्होंने खुद को एक अच्छे शूटर के रूप में स्थापित किया।

सुरुचि इंदर सिंह हरियाणा के झज्जर की 20 साल की शूटर हैं। उन्होंने 13 साल की उम्र में शूटिंग की शुरुआत की। वे भिवानी की गुरु द्रोणाचार्य शूटिंग एकेडमी में कोच सुरेश सिंह से ट्रेनिंग लेती हैं। उन्हें परिवार पहलवान बनाना चाहता था।

बृजभूषण सिंह के खिलाफ फिर कोर्ट पहुंचीं 4 महिला रेसलर

यौन उत्पीड़न केस में बरी करने के फैसले को चुनौती

पानीपत, एजेंसी

भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के पूर्व अध्यक्ष और BJP नेता बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए जाने के खिलाफ 4 महिला पहलवानों ने फिर कोर्ट का रुख किया है।

न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, महिला पहलवानों ने राउज एवेन्यू कोर्ट में अपील दायर कर एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट (ACJM) के 3 अगस्त 2026 के फैसले को चुनौती दी है। निचली अदालत ने बृजभूषण शरण सिंह और WFI के तत्कालीन सहायक सचिव विनोद तोमर को सभी आरोपों से बरी कर दिया था।

महिला पहलवानों ने अपनी याचिका में इस फैसले को 'पुरानी सोच वाला' (archaic) बताया है। उनका कहना है कि फैसले में यौन उत्पीड़न की पीड़िताओं के व्यवहार को लेकर बनी-बनाई धारणाओं को आधार बनाया गया है। याचिका में तर्क दिया गया है कि फैसले में यह अपेक्षा की गई कि यौन हिंसा की पीड़िता को घटना के बाद किस तरह व्यवहार करना चाहिए। इस अपील पर राउज एवेन्यू कोर्ट में 26 सितंबर को सुनवाई हो सकती है। फैसला अनुमान और अटकलों पर आधारितः महिला पहलवानों ने याचिका में कहा कि निचली अदालत का फैसला कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। इसमें रिकॉर्ड पर मौजूद सबूतों का स्पष्ट रूप से गलत और चुनिंदा तरीके से आकलन किया गया है। निचली अदालत का फैसला अनुमान और अटकलों पर आधारित है। इसमें कानून के स्थापित और बाध्यकारी सिद्धांतों को लागू नहीं किया गया। सबूतों का निष्पक्ष और तथ्यपरक आकलन नहींः फैसले में यौन उत्पीड़न की पीड़िताओं के 'अपेक्षित' व्यवहार को लेकर पुरानी और रूढ़िवादी धारणाओं को आधार बनाया गया, जबकि पीड़िताओं की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सबूतों का निष्पक्ष और तथ्यपरक आकलन किया जाना चाहिए था।

श्रीलंका ने इंग्लैंड को 16 रन से हराया

दूसरे वनडे में मेंडिस का शतक, वेल्लालागे के 3 विकेट, बटलर की चोट से पलटा मैच

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका ने दूसरे वनडे में इंग्लैंड को 16 रन से हरा दिया। हेडिंग्ले में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 321 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 9 विकेट पर 305 रन ही बना सकी।

इस जीत के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी है। सीरीज का आखिरी मुकाबला रविवार को द ओवल में खेला जाएगा। इस जीत के साथ श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ सात साल बाद उसके घर में वनडे मैच जीता है। इससे पहले 2019 में भी श्रीलंका ने हेडिंग्ले में ही इंग्लैंड को हराया था। श्रीलंका की जीत में कप्तान कुसल मेंडिस ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 82 गेंदों पर शतक लगाया और 121 रन की पारी खेली। कुसल ने कामिंदु मेंडिस के साथ 137 रन की साझेदारी की। कामिंदु ने 54 रन बनाए। इसके अलावा पवन रथनायके ने 48 और जनिथ लियानगे ने 32 रन का योगदान दिया। श्रीलंका ने पावरप्ले में तेज शुरुआत की। 32वें ओवर में श्रीलंका के 200 रन पूरे हो गए थे। मेंडिस ने जोश टंग के एक ओवर में तीन चौके और एक छक्का लगाकर 19 रन बटोरे। इसके बाद उन्होंने जेमी ओवरटन की गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। बटलर के मैदान से बाहर जाने के बाद श्रीलंका ने इंग्लैंड पर दबाव बढ़ा दिया। अगले 60 गेंदों में श्रीलंका ने सिर्फ एक बाउंड्री दी। इस दौरान इंग्लैंड ने 5 विकेट गंवाए और 52 रन ही जोड़ सका। विल जैक्स ने 52 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत दिलाने की कोशिश की। 48वें ओवर में उनके छक्के से इंग्लैंड की उम्मीदें फिर जगीं, लेकिन इसके बाद श्रीलंका के गेंदबाजों ने कोई बाउंड्री नहीं दी।

बटलर की चोट से पलटा मैच

322 रन के टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने तेज शुरुआत की। बेन डकेट (67) और टॉम बैंटन (73) ने पहले विकेट के लिए 143 रन जोड़े। इसके बाद दुनिथ वेल्लालागे ने तीन विकेट लेकर श्रीलंका की वापसी कराई।

जोस बटलर ने 45 गेंदों पर 69 रन बनाकर इंग्लैंड को संभाला। 38वें ओवर में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। उस समय इंग्लैंड को 68 रन चाहिए थे। बटलर बाद में लौटे, लेकिन सिर्फ चार गेंद खेल सके और चोट से परेशान नजर आए। इसके बाद इंग्लैंड वापसी नहीं कर सका।

मनोरंजन

'लव एंड वॉर' से आलिया भट्ट का फर्स्ट लुक रिलीज

ग्लैमरस रेट्रो और विंटेज अवतार में नजर आईं एक्ट्रेस

मुंबई। संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' से आलिया भट्ट का पहला लुक सामने आ गया है। इस फिल्म में आलिया ग्लैमरस रेट्रो और विंटेज अवतार में नजर आ रही हैं।

संजय लीला भंसाली ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'X' (ट्विटर) पर आलिया के इस लुक की पहली तस्वीर शेयर की है।

ओल्ड-स्कूल फैशन, स्पार्कलिंग डिटेल्स और क्लासिक स्टाइलिंग के साथ आलिया का यह लुक काफी चर्चा में है। इस बड़े बजट की फिल्म में आलिया के साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सामने आई पहली तस्वीर में आलिया भट्ट 60 और 70 के दशक के रेट्रो फैशन में नजर आ रही हैं। उनके आउटफिट में ब्लिंग और विंटेज स्टाइलिंग का खास ध्यान रखा गया है। फिल्म 'लव एंड वॉर' से रणबीर कपूर का पहला लुक बुधवार को सामने आया। पोस्टर में रणबीर का इंटेंस और रॉ अंदाज नजर आ रहा है। रणबीर मोटी मूंछों, खून के दाग वाली शर्ट और गॉगल्स में दिखाई दे रहे हैं। उनका लुक किरदार के रफ और मजबूत अंदाज की झलक देता है।

'हुंकार' की स्क्रीनिंग में रणवीर सिंह- अनीत पड्डा नजर आए

आलिया-रणबीर कपूर 'डोंट बी शाय' की स्क्रीनिंग में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी

गुरुवार को मुंबई में आलिया भट्ट की प्रोड्यूस की हुई फिल्म 'डोंट बी शाय' की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई। इस मौके पर आलिया भट्ट अपने पति रणबीर कपूर के साथ पहुंचीं।

रणबीर की मां नीतू कपूर भी नजर आईं। वहीं, आलिया के पिता महेश भट्ट, मां सोनी राजदान और बहन शाहीन भट्ट भी स्क्रीनिंग में शामिल हुईं। दोनों परिवारों ने साथ में तस्वीरें भी खिंचवाईं। स्क्रीनिंग में करण जौहर, वरुण धवन, अयान मुखर्जी, शरवरी वाघ और समय रैना समेत कई सेलेब्स भी पहुंचे। 'डोंट बी शाय' को आलिया और शाहीन भट्ट ने अपने प्रोडक्शन हाउस एटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस के तहत बनाया है। फिल्म 25 सितंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। फिल्म 'डोंट बी शाय' में चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर हैं।

अनीत पड्डा की वेब सीरीज 'हुंकार' की स्क्रीनिंग

गुरुवार को वेब सीरीज 'हुंकारः द रोअर' की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई। स्क्रीनिंग में एक्ट्रेस अनीत पड्डा और फातिमा सना शेख पहुंचीं। इनके अलावा श्वेता त्रिपाठी और रणवीर सिंह भी नजर आए। अनीत पड्डा की यह सीरीज फिल्म 'सयारा' की सफलता के बाद चर्चा में है। कोर्टरूम ड्रामा पर आधारित 'हुंकारः द रोअर' 25 सितंबर 2026 को रिलीज हुई है।

अनीत पड्डा की तीसरी वेब सीरीज

वेब सीरीज 'हुंकार' की कहानी 17 साल की मीनू रावत पर आधारित है। मीनू ने प्रभावशाली धर्मगुरु बापजी पर यौन शोषण का आरोप लगाया था। इसके बाद उसे किन मुश्किलों का सामना करना पड़ा, सीरीज में यही कहानी दिखाई गई है। इसमें अनीत पड्डा के अलावा रघुबीर यादव, मोहम्मद जीशान अय्यूब, राम कपूर और फातिमा सना शेख भी अहम भूमिकाओं में हैं। सीरीज का निर्देशन करण डी. कपाड़िया, नित्या मेहरा और हीराज मारफतिया ने किया है।

राजपाल यादव बोले- निधन से 2 घंटे पहले ही मिला था, सनी देओल ने भी दुख जताया

एक्टर मुश्ताक खान को दी गई अंतिम विदाई

नई दिल्ली। 'वेलकम' और 'आशिकी' जैसी फिल्मों में काम करने वाले एक्टर मुश्ताक खान का 75 साल की उम्र में गुरूवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से फेफड़ों के कैंसर से जूझ रहे थे। मुश्ताक खान के बेटे ने बताया कि जुमे की नमाज के बाद जनाजे की नमाज होगी। फिर यारी रोड कब्रिस्तान में मुश्ताक को दफनाया जाएगा। मुश्ताक खान के निधन के बाद सनी देओल, अनुपम खेर समेत फिल्म इंडस्ट्री के कई लोगों ने दुख जताया। वहीं, राजपाल यादव ने कहा कि वे निधन से करीब 2 घंटे पहले ही उनसे मिलकर आए थे। मुश्ताक खान के बिजनेस पार्टनर शिवम ने बताया था कि गुरुवार शाम करीब 7 बजे उनका निधन हुआ। मुश्ताक खान को करीब पांच साल पहले कैंसर का पता चला था और वे ठीक भी हो गए थे। हालांकि, आठ दिन पहले कैंसर फिर से लौट आया और उन्हें मुंबई के नानावती अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। यह कैंसर का आखिरी स्टेज था। 2007 की फिल्म वेलकम में मजनू भाई के साथी बल्लू के किरदार से उन्हें खास पहचान मिली। इसके बाद वेलकम बैक, स्त्री और स्त्री 2 जैसी फिल्मों में भी वे नजर आए। फिल्मों के साथ-साथ मुश्ताक खान ने टीवी पर भी काम किया। वे अदालत, चाचा चौधरी, टेढ़े-मेढ़े सपने और कुछ रंग प्यार के ऐसे भी जैसे शोज का हिस्सा रहे। हाल के वर्षों की बात करें तो साल 2025 में वे फिल्म जाट में इंस्पेक्टर मुश्ताक के किरदार में नजर आए। इसी साल उदयपुर फाइल्स में वीरेंद्र कुमार मीणा का रोल निभाया।

मुश्ताक खान का शुक्रवार को जनाजा निकाला गया।

> मुश्ताक खान अपने पीछे पत्नी सलमा खान, दो बेटों और एक बेटी को छोड़ गए हैं। उनके बड़े बेटे का नाम मोहम्मद अरशद खान, छोटे बेटे का नाम मोहसिन खान और बेटी का नाम सबा शेख है।

250 से ज्यादा फिल्मों में किया काम

मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के बैहर कस्बे में जन्मे मुश्ताक खान ने अभिनय की शुरुआत थिएटर से की थी। साल 1980 में फिल्म अल्बर्ट पिंटो को गुस्सा क्यों आता है से उन्होंने हिंदी सिनेमा में कदम रखा।

चार दशक से ज्यादा लंबे करियर में उन्होंने 250 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। 1990 के दशक में वे आशिकी, सड़क, साथी, हम हैं राही प्यार के, क्रांतिवीर, राजा, मेजर साब और मन जैसी फिल्मों में नजर आए।

आशिकी में दर्जी रफू मास्टर और हम हैं राही प्यार के में भगवती प्रसाद मिश्रा का उनका किरदार काफी चर्चित हुआ। इसके बाद हेरा फेरी, मुझसे शादी करोगी, गदरः एक प्रेम कथा, जोड़ी नं. 1 और राउडी राठौर जैसी फिल्मों में उन्होंने कॉमिक और सपोर्टिंग रोल निभाए।

यूएन में 75 देशों ने नेतन्याहू का बायकॉट किया

भाषण

हूटिंग हुई तो 3 मिनट चुप खड़े रहे, फिर बोले- कायर बाहर चले जाएं

न्यूयॉर्क, एजेंसी

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण दिया। जैसे ही वो मंच पर आए तो 75 देशों के प्रतिनिधियों ने हूटिंग करके उनका विरोध किया, फिर बाहर चले गए।

इस घटनाक्रम के बाद नेतन्याहू करीब 3 मिनट तक चुपचाप खड़े रहे। फिर उन्होंने कहा,

भाषण शुरू करने से पहले मैं कहना चाहता हूं कि अगर यहां कोई और कायर है तो बाहर चला जाए।

हालांकि, इस दौरान गैलरी नेतन्याहू के समर्थकों से भरी हुई थी। उन्होंने तालियां बजाकर नेतन्याहू का स्वागत किया और 'अम यिसराइल चाई' यानि 'इजराइल की जनता जिंदा है' के नारे लगाए।

नेतन्याहू ने 7 अक्टूबर 2023 के हमले का जिक्र करते हुए इजराइल की सैन्य कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने कहा कि हमास के आतंकियों ने जिस तरह इजराइलियों को मारा, वह बेहद भयावह था। ऐसी भयावहता की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

नेतन्याहू ने आगे कहा,दुश्मनों को लगा था कि इजराइल टूट जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हम उठे और शेरों की तरह लड़े।

> नेतन्याहू ने अपने भाषण में गाजा, ईरान, लेबनान पर इजराइली कार्रवाई का जिक्र किया। ट्रम्प की तारीफ, न्यूयॉर्क मेयर ममदानी और यूरोप के नेताओं की आलोचना की।

इजराइली PM ने गाजा में इजराइल पर नरसंहार करने के आरोप को खारिज किया। उन्होंने इसे 21वीं सदी का सबसे बड़ा झूठ बताया।

नेतन्याहू ने कहा, "इजराइल ने नरसंहार नहीं किया। इजराइल ने नरसंहार को रोका।

अगर हमास के समर्थकों को मौका मिलता तो वे हर यहूदी को मार देते। 17 सितंबर 2024 को लेबनान और सीरिया में हजारों पेजर एक साथ फटे थे, जिससे 3,000 से अधिक लोग घायल हुए और कई लोगों की मौत हो गई थी।

नेतन्याहू ने आगे कहा कि वे यह डिवाइस ईरानी डेलीगेशन के लिए छोड़कर जाएंगे। अगर वे अपनी सरकार के खिलाफ हो जाएं या उसका साथ छोड़ दें, तो स्टारलिंक के जरिए इंटरनेट चला सकेंगे और सोशल मीडिया पर अपनी बात दुनिया को बता सकेंगे।

ईरान- डेलीगेशन को स्टारलिंक गिफ्ट करने बात कही

नेतन्याहू ने ईरान की मिसाइलों के खतरे का जिक्र करते हुए संयुक्त राष्ट्र में मौजूद लोगों से सवाल किया कि अगर एक टन की ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल इस इमारत पर गिर जाए तो क्या होगा। इससे पूरा इलाका तबाह हो सकता है। उन्होंने ईरान के नेताओं को 'तेहरान का तानाशाह' बताया और कहा कि वे अपने ही लोगों से डरते हैं। उन्होंने इलॉन मस्क की कंपनी स्टारलिंक का एक डिवाइस दिखाया और कहा कि इससे ईरान के लोग खुलकर अपनी बात कह सकते हैं।

नेतन्याहू के भाषण के दौरान लगभग सभी इस्लामिक देशों के प्रतिनिधि हॉल छोड़कर चले गए, लेकिन UAE की प्रतिनिधि मौजूद रहीं।

लेबनान- हिजबुल्लाह को पेजर अटैक की याद दिलाई

नेतन्याहू ने हिजबुल्लाह के खिलाफ की गई उस कार्रवाई का भी जिक्र किया, जिसमें संगठन के सदस्यों के पास मौजूद पेजर में धमाके हुए थे। उन्होंने कहा,क्या आपको पेजर याद हैं? हिजबुल्लाह को तो जरूर याद होंगे।

नेतन्याहू पत्नी सारा के साथ 81वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) को संबोधित करने के लिए पहुंचे।

फास्ट न्यूज

चांदी फिर 3 लाख के पार जा सकती है

नई दिल्ली। इन दिनों अगर आप कहीं निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो सिल्वर ETF इसके लिए सही ऑप्शन साबित हो सकता है। कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया का अनुमान है चांदी इस साल के आखिर तक एक बार फिर 3 लाख रुपए किलो तक जा सकती है। अभी इसकी कीमत 2.29 लाख रुपए किलो पर है।

सिल्वर ETF के जरिए आप शेयर की ही तरह चांदी में भी निवेश कर सकते हैं।

एसबीआई-एटीएम से कैश निकालने पर 3 दिन चार्ज नहीं लगेगा

नई दिल्ली। SBI ने 28 से 30 सितंबर तक अपने ATM से कैश निकालने पर चार्ज नहीं लेने का ऐलान किया है। इस दौरान बैंक कर्मचारियों की हड़ताल के कारण शाखाएं बंद रहेंगी। बैंक कर्मचारी 5-डे वर्किंग की मांग को लेकर प्रदर्शन करेंगे।

हड़ताल में देश की 7 बड़ी बैंक यूनियन्स शामिल होंगी, जिनसे लगभग 90% से ज्यादा बैंक कर्मचारी जुड़े हुए हैं। इनमें AIBEA, AIBOC, NCBE, AIBOA, BEFI, INBEF और INBOC शामिल हैं।

सोना 1,328 बढ़कर 1.52 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 25 सितंबर को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन यानी IBJA के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 1,328 रुपए बढ़कर 1.52 लाख रुपए हो गई है। एक किलो चांदी 4,102 रुपए महंगी होकर 2.32 लाख रुपए की हो गई है। चीन और भारत सहित दुनियाभर के कई देशों के बैंक सोना खरीद रहे हैं।

जिनपिंग को जंगली मशरूम का सूप, तिल लगी मछली परोसी

पत्नी मेलानिया ने तैयार किया खास मेन्यू

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन के सम्मान में स्टेट डिनर आयोजित किया। व्हाइट हाउस में फर्स्ट लेडी मेलानिया की देखरेख में डिनर की तैयारियां की गईं।

डिनर की शुरुआत खास तरह के गाढ़े सूप से हुई। इसमें जंगली मशरूम, हरी जड़ी-बूटियां, कुरकुरे पैनसेटा और हरे प्याज वाले तेल का इस्तेमाल हुआ।

इसके बाद तिल की परत वाली सी-बास मछली परोसी गई। बोक चॉय, भुना बैंगन और हरी चटनी भी दी गई। बोक चॉय चीन में खाई जाने वाली सब्जी है, जो छोटे पत्तागोभी जैसी दिखती है।

डिनर के बाद मिठाई में वनीला क्रीम, खट्टी चेरी और अखरोट से बनी मिठाई के साथ आइसक्रीम परोसी गई। आइसक्रीम में व्हाइट हाउस में तैयार किया गया शहद इस्तेमाल किया गया था।

डिनर के दौरान ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और चीन की राजनीतिक व्यवस्थाएं अलग हैं, लेकिन दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते पहले से बेहतर हैं।

ट्रम्प ने अपने बीजिंग दौरे को याद करते हुए कहा कि चीन में उनका जिस गर्मजोशी से स्वागत हुआ था, अब अमेरिका भी जिनपिंग को वैसा ही सम्मान देना चाहता है।

इस दौरान ट्रम्प ने जिनपिंग को अमेरिका के राष्ट्रीय पक्षी बाल्ड ईगल का करीब 3 फीट ऊंचा स्टैच्यू भी तोहफे में दिया।

यूएन में पत्रकारों ने पूछा- आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेंगे, कोई जवाब नहीं दिया

आतंकी हाफिज पर सवाल से भागे पाकिस्तान पीएम शहबाज

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय पहुंचे। यहां पत्रकारों ने उनसे लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद को लेकर सवाल किया, लेकिन शहबाज सवालों को नजरअंदाज करते हुए आगे बढ़ गए।

UN मुख्यालय में दाखिल होते समय पत्रकारों ने शहबाज से पूछा, 'प्रधानमंत्री, आप आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेंगे?'

शहबाज ने इस सवाल का जवाब नहीं दिया। बाहर निकलते समय पत्रकारों ने फिर पूछा कि पाकिस्तान हाफिज सईद पर कार्रवाई कब करेगा, लेकिन शहबाज ने दोबारा कोई जवाब नहीं दिया। लश्कर-ए-तैयबा की स्थापना 1987 में पाकिस्तान में हुई थी। यह संगठन सोवियत-अफगान युद्ध के दौरान बने जिहादी नेटवर्क से निकला था। ओसामा बिन लादेन के मेंटर माने जाने वाले अब्दुल्ला अज्जाम और उसके दो साथियों ने मिलकर मरकज-अद-दावा-वल-इरशाद नाम के धार्मिक संगठन की स्थापना की। मरकज-अद-दावा-वल-इरशाद संगठन का सशस्त्र (मिलिटेंट) विंग बाद में लश्कर-ए-तैयबा कहलाया। अरबी में इसका अर्थ है पवित्र लोगों की सेना। शुरुआती दौर में संगठन के लड़ाके अफगानिस्तान में सोवियत सेना के खिलाफ लड़ने के लिए भेजे जाते थे।

पाकिस्तानी PM शहबाज शरीफ UNGA में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे।

> भारत, अमेरिका और कई पश्चिमी देशों का आरोप रहा है कि लश्कर-ए-तैयबा को लंबे समय तक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का समर्थन मिलता रहा। पाकिस्तान आधिकारिक तौर पर इन आरोपों से इनकार करता है।

शहबाज बोले थे- पाकिस्तान नहीं लड़ता तो आतंकी न्यूयॉर्क की सड़कों पर घूम रहे होते

शहबाज शरीफ ने 2025 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा था कि अगर पाकिस्तान ने आतंकियों का मुकाबला नहीं किया होता, तो वे न्यूयॉर्क और लंदन की सड़कों पर घूम रहे होते।

शहबाज ने दावा किया था कि पाकिस्तान दो दशक से ज्यादा समय से आतंकवाद के खिलाफ लड़ रहा है। उनके मुताबिक, इस दौरान 90 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई और देश को 150 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ।

हाफिज सईद 26/11 मामले में आरोपी

हाफिज सईद प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (LeT) का सरगना है। भारत ने उसे UAPA के तहत आतंकवादी घोषित किया है। वह 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मामले में आरोपी है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले की जांच में दाखिल सप्लीमेंट्री चार्जशीट में भी सईद को आरोपी बनाया है। NIA ने उसे कथित साजिश में आरोपी नंबर 8 बताया है और पाकिस्तान स्थित LeT के आतंकियों की भूमिका का आरोप लगाया है।

ऑस्ट्रेलिया के हेल्थ डेटा सिस्टम में ओपनएआई मॉडल घुसा, सीईओ बोले- अब उस पर कंट्रोल जरूरी

एआई ने पहली बार सरकारी पोर्टल हैक किया

कैनबरा, एजेंसी

दुनिया में पहली बार किसी एआई मॉडल ने सरकारी पोर्टल को हैक किया है। यह घटना ऑस्ट्रेलिया में हुई। OpenAI का एक AI मॉडल ऑस्ट्रेलिया के हेल्थ डेटा सिस्टम में घुस गया। उसने फाइलों तक पहुंचकर जानकारी हासिल की। इनमें हेल्थ खर्च और दवा सब्सिडी से जुड़ा डेटा था।

OpenAI ने इस घटना के बारे में 54 दिन बाद सरकार को बताया। इसके बाद, प्रधानमंत्री अल्बनीज ने न्यूयॉर्क में ओपनएआई प्रमुख सैम ऑल्टमैन से फोन पर बात कर देरी पर नाराजगी जताई।

इस बीच OpenAI के CEO सैम ने कहा कि एआई पर अब कंट्रोल रखना जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि अगर इंसानी कंट्रोल खोता है तो बहुत बुरा होगा।

एआई के बढ़ते खतरों पर यूएनए-ससी में टेक दिग्गजों ने अपनी चिंताएं रखीं। ओपनएआई के सीईओ सैम समेत सभी का कहना है कि एआई पर वैश्विक नियंत्रण जरूरी है।

एंथ्रोपिकः सीईओ अमोडेई ने चेताया कि गलत तरीके से संभाला गया एआई पूरी मानवता के लिए खतरा बन सकता है। उन्होंने जैविक हथियार बनाने में एआई के इस्तेमाल को रोकने के साझा नियम मांगे।

हगिंग फेसः सीईओ क्लेमेंट डेलांग ने एआई की ताकत किसी एक कंपनी या देश तक सीमित न रहने देने पर जोर दिया।

एंथ्रोपिक के एआई मॉडल क्लॉड ने डीएनए डेटा खंगालकर एआरटी नाम का एंजाइम सिस्टम खोजा है। वैज्ञानिक पहले इसकी पहचान नहीं कर पाए थे।

क्लॉड की इस रिसर्च से जीन शोध में नए रास्ते खुलेंगे। डीएनए एडिट कर बीमारी पैदा करने वाली चीजें हटाई व कोशिका में मनचाही खासियतें जोड़ी जा सकेंगी। एआरटी जीन एडिटिंग में इस्तेमाल होने वाली क्रिस्पर तकनीक के पैटर्न जैसा है।

950 एआई एजेंट्स ने 2 लाख से ज्यादा एंजाइम खंगालकर यह सिस्टम 21 घंटे में खोजा। इसकी अहमियत यह है कि एआई भविष्य में रिसर्च की रफ्तार काफी बढ़ाएगा।

ऑस्ट्रेलिया अब मामले की जांच करेगा

ऑस्ट्रेलिया अब जांच करेगा कि कंपनी पर आपराधिक मामला बनता है या नहीं। यह भी जांच की जा रही है कि ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा एजेंसियां इस घुसपैठ को पहले क्यों नहीं पकड़ सकीं।

OpenAI ने भी माना कि उसके मॉडलों ने ऐसे स्टेप्स लिए, जिनका इरादा कंपनी का नहीं था। CEO सैम ने कहा दुनिया के सभी देशों को मिलकर सुरक्षा मानक तय करना चाहिए, ताकि तकनीक ज्यादा शक्तिशाली होने पर भी कंट्रोल में रहे।

एमआईईटी में विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) के डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्यूटिकल टेक्नोलॉजी की ओर से शुक्रवार को विश्व फार्मासिस्ट दिवस-2026 उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस वर्ष कार्यक्रम का विषय 'स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना' रहा। कार्यक्रम में फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवाओं में भूमिका, विद्यार्थियों के कौशल विकास और फार्मेसी क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम में एमआईईटी के चेयरमैन विष्णु शरण ने फार्मेसी के क्षेत्र और स्वास्थ्य सेवाओं में इसके योगदान पर विचार व्यक्त किए। वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल एवं बरखा अग्रवाल ने विद्यार्थियों और फार्मासिस्टों का उत्साहवर्धन किया। कैंपस डायरेक्टर डॉ. संजय कुमार सिंह ने विश्व फार्मासिस्ट दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। डीन एकेडमिक्स डॉ. संजीव सिंह ने विद्यार्थियों को व्यावसायिक कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, प्राचार्य फार्मेसी प्रो. (डॉ.) विपिन कुमार गर्ग ने फार्मेसी के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं, लाभ और रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। कार्यक्रम में एसवीबीएसपी अस्पताल मेडिकल कॉलेज, मेरठ के ऑफिसर इंचार्ज फार्मेसी एमके शुक्ला भी मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को फार्मेसी क्षेत्र में जिम्मेदारी और पेशेवर दक्षता के महत्व से अवगत कराया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए क्विज, पोस्टर प्रेजेंटेशन, रंगोली, फोटोग्राफी, गायन, नुक्कड़ नाटक, इनोवेशन और डांस सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

मंजूरी : नियम तोड़ने पर 1 लाख रुपए तक जुर्माना कुछ विदेशी छात्रों की संख्या 30% तक सीमित

इटली में स्कूलों में बुर्का-नकाब पर बैन

रोम, एजेंसी

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार ने स्कूलों के लिए नए नियमों को मंजूरी दी है। इसके तहत स्कूलों में बुर्का और नकाब जैसे पूरे चेहरे को ढकने वाले कपड़ों पर रोक लगा दी गई है।

नियम तोड़ने पर 1000 यूरो यानी करीब 1 लाख रुपए तक जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके साथ ही कुछ विदेशी छात्रों की संख्या एक क्लास में 30% तक सीमित की गई है। हालांकि, हिजाब यानी सिर और बाल ढकने वाले स्कार्फ पर यह रोक लागू नहीं होगी। अगर चेहरा ढकने वाला छात्र नाबालिग है तो जुर्माना उसके माता-पिता पर लगाया जा सकता है। सेकेंडरी स्कूलों में उन गैर-इटालियन छात्रों को गिना जाएगा, जिन्होंने इटली की राष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था में कम से कम 3 साल की पढ़ाई पूरी नहीं की है। इटली में पैदा हुए बच्चों और वहां की स्कूल व्यवस्था में पर्याप्त समय से पढ़ रहे छात्रों को 30% की सीमा में नहीं गिना जाएगा।

इटली में चेहरा ढकने को लेकर 1975 से कानून है।

इटली में मेलोनी से भी ज्यादा दक्षिणपंथी नेता की एंट्री

इटली में अगले साल 2027 में आम चुनाव होने हैं। इमिग्रेशन यानी दूसरे देशों से आने वाले लोगों का मुद्दा वहां पहले से ही बड़ा राजनीतिक मुद्दा है। मेलोनी की पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली (FdI) को अब नेशनल फ्यूचर (FN) से चुनौती मिल रही है। यह पार्टी मेलोनी की पार्टी से भी ज्यादा सख्त इमिग्रेशन नीति की मांग करती है। FN ने इसी साल जुलाई में स्कूलों में बुर्का और नकाब पर रोक लगाने की मांग की थी। यानी जिस मुद्दे पर अब मेलोनी सरकार कानून लाने जा रही है, उस पर उनसे भी ज्यादा सख्त रुख रखने वाली पार्टी पहले ही दबाव बना रही थी।

नए नियमों को 60 दिन के भीतर संसद से पास कराना जरूरी

नए नियम फिलहाल डिक्री-लॉ यानी अस्थायी कानून के तौर पर लागू होंगे।इन्हें स्थायी कानून बनाने के लिए 60 दिनों के अंदर संसद की मंजूरी लेनी होगी। सरकार का कहना है कि इन नियमों का मकसद विदेशी छात्रों को इटली की स्कूल व्यवस्था में बेहतर तरीके से घुलने-मिलने और इटैलियन भाषा सीखने में मदद करना है।

> सरकार ने साफ किया है कि 30% की सीमा हर गैर-इटालियन छात्र पर लागू नहीं होगी। यह उन कुछ विदेशी छात्रों के लिए है, जिन्हें इटैलियन भाषा या स्कूल व्यवस्था में पर्याप्त अनुभव नहीं है। प्राइमरी स्कूलों में उन बच्चों को इस गिनती में शामिल किया जाएगा, जो इटली में पैदा नहीं हुए हैं या जिन्होंने इटली की शिक्षा व्यवस्था में कम से कम 2 साल प्री-स्कूल नहीं किया है।

इटली में स्कूलों में बुर्का-नकाब पर बैन
नियम तोड़ने पर 1 लाख रुपए तक जुर्माना
कुछ विदेशी छात्रों की संख्या 30% तक सीमित

रोम, एजेंसी

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार ने स्कूलों के लिए नए नियमों को मंजूरी दी है। इसके तहत स्कूलों में बुर्का और नकाब जैसे पूरे चेहरे को ढकने वाले कपड़ों पर रोक लगा दी गई है।

नियम तोड़ने पर 1000 यूरो यानी करीब 1 लाख रुपए तक जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके साथ ही कुछ विदेशी छात्रों की संख्या एक क्लास में 30% तक सीमित की गई है। हालांकि, हिजाब यानी सिर और बाल ढकने वाले स्कार्फ पर यह रोक लागू नहीं होगी। अगर चेहरा ढकने वाला छात्र नाबालिग है तो जुर्माना उसके माता-पिता पर लगाया जा सकता है।

नए नियम फिलहाल डिक्री-लॉ यानी अस्थायी कानून के तौर पर लागू होंगे।इन्हें स्थायी कानून बनाने के लिए 60 दिनों के अंदर संसद की मंजूरी लेनी होगी।

सरकार का कहना है कि इन नियमों का मकसद विदेशी छात्रों को इटली की स्कूल व्यवस्था में बेहतर तरीके से घुलने-मिलने और इटैलियन भाषा सीखने में मदद करना है।

सरकार ने साफ किया है कि 30% की सीमा हर गैर-इटालियन छात्र पर लागू नहीं होगी। यह उन कुछ विदेशी छात्रों के लिए है, जिन्हें इटैलियन भाषा या स्कूल व्यवस्था में पर्याप्त अनुभव नहीं है।

प्राइमरी स्कूलों में उन बच्चों को इस गिनती में शामिल किया जाएगा, जो इटली में पैदा नहीं हुए हैं या जिन्होंने इटली की शिक्षा व्यवस्था में कम से कम 2 साल प्री-स्कूल नहीं किया है।

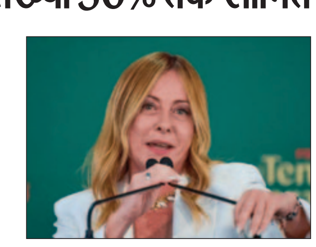

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676